प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

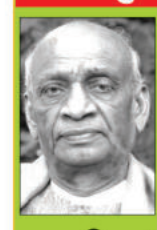

बोलने में मर्यादा मत छोड़ना, गालियां देना तो कायरों का काम है।

सरदार वल्लभ भाई पटेल

वर्ष-06, अंक - 17 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 18 जनवरी 2024 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

आदिवासियों को मकान, चिकित्सा

शिक्षा भर्ती के नियमों में बदलाव

भोपाल।

मध्यप्रदेश की मोहन यादव सरकार ने चौथी कैबिनेट बैठक में अहम फैसले लिए हैं। डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला ने बताया कि, आगर मालवा में लॉ कॉलेज बनाया जाएगा। इसके निर्माण में करीब 2.19 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इस कॉल में 30 नए प्रोफेसर की नियुक्ति की जाएगी। वहीं चिकित्सा शिक्षा भर्ती नियमों में बदलाव किया गया है। अब पदोन्नति से भरे जाने वाले पदों पर सीधी भर्ती की जाएगी।

आदिवासियों को मिलेगा आवास

मध्य प्रदेश के जिलों में बहुउद्देशीय केंद्र बनाए जाएंगे। तीन वर्ष में 2 हजार 454 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। इस योजना में उन आदिवासियों के मकान भी बनाए जाएंगे जो पीएम आवास योजना का लाभ नहीं पा सके हैं। इस योजना के अंतर्गत हर साल 800 से 900 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

छोटी बसाहटों तक सड़क

बुधवार को कैबिनेट बैठक के बाद डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने बताया कि, जिन गांवों में छोटी बसाहटों की आबादी सौ है, वहां भी पीएम सड़क योजना के अंतर्गत सड़कों का निर्माण किया जाएगा। छोटी बसाहटों में जिन आदिवासियों के पास घर नहीं है, उन्हें पीएम जन मन योजना के तहत मकान बनाने के लिए राशि दी जाएगी। 981 संपर्क विहीन बसाहटों में 2 हजार 403 किमी लंबाई के 978 मार्ग और 50 पुल बनाए जाने का लक्ष्य दिया गया है।

चिकित्सा शिक्षा भर्ती के नियमों में बदलाव

सभी कामों के लिए 4 हजार 604 करोड़ रुपए का प्रावधान बजट में किया जा रहा है। बुधवार कैबिनेट बैठक में चिकित्सा शिक्षा भर्ती नियमों में बदलाव किया गया है। पदोन्नति से भरे जाने वाले पदों को अब सीधी भर्ती से भरा जा सकेगा। सिवनी, श्योपुर, नीमच, मंदसौर और सिंगरौली में नए मेडिकल कॉलेज खुले हैं और यहां पदों को भरने की जरूरत है, इसलिए सीधी भर्ती से असिस्टेंट प्रोफेसर, प्रोफेसर समेत अन्य करीब 150 पदों को भरा जाएगा।

मध्यप्रदेश की हिस्से की राशि अलग

मध्यप्रदेश के जिलों में बहुउद्देशीय केंद्र बनाए जाएंगे। 75 करोड़ रुपए प्रति केंद्र की लागत है। सौ फीसदी सहायता भारत सरकार देगी। एक हजार 605 वर्ग फीट पर भवन बनेगा और कुल 2 हजार 200 वर्ग फीट जमीन की जरूरत होगी जिसके लिए जमीन का आवंटन कलेक्टर करेंगे। कैबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री जन मन योजना के अंतर्गत अलग-अलग कार्यों के लिए स्वीकृति दी गई है। इसमें सड़क, भवन, शौचालय समेत अन्य सुविधाएं दिया जाना शामिल है। योजना में केंद्र सरकार की ओर से 60 प्रतिशत और राज्य शासन की ओर से 40 प्रतिशत राशि दिए जाने का प्रावधान है।

विद्युत वितरण लाइसेंस में संशोधन किया गया है। इसके लिए एक हजार 678 एकड़ जमीन चिन्हित की गई है। यहां विद्युत, पवन ऊर्जा और सौर ऊर्जा के उपकरण बनाए जाएंगे। 371 करोड़ का अनुदान भारत सरकार ने दिया है। यहां टेस्टिंग से लेकर अन्य तरह के लैब की भी व्यवस्था की जा रही है। एमपीआरडीसी और औद्योगिक नीति व निवेश प्रोत्साहन विभाग इस पर काम कर रहे हैं। 237 एकड़ के लिए कैबिनेट में संशोधन लाया गया है। इसके बाद निवेश आने शुरू हो जाएंगे। मोहन यादव कैबिनेट ने राज्य शासन की ओर से दी जाने वाली राशि के लिए मंजूरी दी है। इसके पहले योजना को लेकर प्रेजेंटेशन दिया गया।

जिला पत्रकार संघ का महासम्मेलन 20 जनवरी को थांदला में ...

माही की गूंज, थांदला।

आयोजन की शोभा रहेगें यह अतिथि

जिले की पत्रकारिता के सशक्त हस्ताक्षर मूर्धन्य पत्रकार स्वर्गीय श्री यशवंत घोड़ावत की दसवीं पुण्यतिथि के अवसर पर जिला पत्रकार संघ झाबुआ की इकाई पत्रकार संघ थांदला द्वारा श्रद्धांजलि सभा एवं पत्रकारों के महासम्मेलन का आयोजन 20 जनवरी को किया जाएगा । जिला पत्रकार संघ के जिलाध्यक्ष राजेश सोनी, आयोजन समिति के अक्षय भट्ट , मनोज चतुर्वेदी , मनीष अहिरवार ने बताया कि, आयोजन में मुख्य अतिथि कीर्ति राणाजी वरिष्ठ पत्रकार इंदौर, अध्यक्षता पंकज क्षीरसागर पूर्व ओएसडी लोकसभा अध्यक्ष एवं मीडिया पर्सन इंदौर, विशेष अतिथि श्रीमती रजनी खेतान स्वतंत्र पत्रकार इंदौर के रूप में मौजूद रहेंगे। आयोजन में स्वर्गीय श्री घोड़ावत जी को श्रद्धांजलि देने के साथ वर्तमान दौर की पत्रकारिता की दिशा पर विमर्श होगा। इसके साथ ही सर्वकालिक संघर्षशील पत्रकारिता सम्मान मरणोपरांत आजीवन पत्रकारिता करने वाले पत्रकार के परिजनों को दिया जाएगा । इसके साथ ही आजीवन प्रखर पर पत्रकारिता व उदयमान पत्रकारिता पुरस्कार भी होगा । क्षेत्र के मेघावी विद्यार्थियों का सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम 20 जनवरी शनिवार को मेट्रो परिसर थांदला में प्रात 11 बजे से आयोजित होगा।

रामलला प्राण प्रतिष्ठा के दिन न मिलेगी शराब न मिलेगा मांस

इंदौर। अयोध्या में अगले हफ्ते रामलला की प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम होना है। इसे लेकर पूरा देश राममय हो गया है और कई तरह की तैयारियां की जा रही हैं। इसी बीच मध्य प्रदेश के इंदौर में 22 जनवरी को मीट की दुकानें बंद रहेंगी। इंदौर नगर निगम ने मांस की दुकानें बंद रखने का फैसला किया है। इससे पहले एमपी की मोहन यादव सरकार ने 22 जनवरी को ड्राई डे घोषित किया था।

इंदौर के मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा, इंदौर नगर निगम ने 22 जनवरी को 'प्राण प्रतिष्ठा' दिवस के मौके पर शहर में मांस की दुकानें बंद रखने का फैसला किया है। इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को आदेश दे दिए गए हैं। मध्य प्रदेश सरकार पहले ही 22 जनवरी को 'ड्राई डे' घोषित कर चुकी है। यानी इस दिन राज्य में शराब की दुकानें बंद रहेंगी।

मध्य प्रदेश के अलावा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ सहित कई राज्यों ने पहले ही प्राण प्रतिष्ठा के खास मौके पर 22 जनवरी को 'ड्राई डे' घोषित किया हुआ है। इसी बीच, गोवा, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ ने 22 जनवरी को सभी स्कूलों और कार्यालयों में छुट्टी की भी घोषणा की है। मंगलवार को मंदिर के गर्भगृह में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का अनुष्ठान भी शुरू हो गया।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि, राम मंदिर 23 जनवरी से आम जनता के दर्शन के लिए खुला रहेगा। 'प्राण प्रतिष्ठा' कार्यक्रम दोपहर एक बजे तक खत्म होने की उम्मीद है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्रियों सहित कई प्रतिष्ठित हस्तियां शामिल होंगी। परंपरा के अनुसार, एक हजार टोकरियों में नेपाल के जनकपुर और मिथिला क्षेत्रों से उपहार आए हैं। 20 और 21 जनवरी को जनता के लिए दर्शन बंद रहेंगे।

चीतों को रास नहीं आ रहा भारत का मौसम

श्योपुर।

मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में नामीबिया से लाए गए एक और चीते 'शौर्य' की मौत हो गई। अफ्रीकी देश से जो चीते लाए गए थे, उनमें अब सिर्फ 17 जीवित बचे हैं और 10 चीतों की मौत हो चुकी है। हालांकि इन चीतों का भारत का मौसम रास नहीं आ रहा है या फिर कोई दूसरी वजह है, ये अब तक साफ नहीं हो पाया है।

एमपी के वनमंत्री नागर सिंह चौहान ने बताया था कि, कउनो नेशनल पार्क में नामीबियाई चीता 'शौर्य' की मौत हो गई, सितंबर 2022 के बाद से ये 10वीं मौत है। 'शौर्य' की मौत किन वजहों से हुई, इसको लेकर वन विभाग ने बताया कि, इसकी वजह स्पष्ट नहीं है और ये पोस्टमॉर्टम के बाद ही पता चलेगा।

वन विभाग के बयान के मुताबिक, ट्रैकिंग टीम ने सुबह करीब 11 बजे नर चीता को ठीक से चलते नहीं पाया, जिसके बाद उसे ट्रांसक्युलाइज्ड किया गया और उसको ठीक करने के प्रयास किए गए, लेकिन इसमें सफलता नहीं मिली। 'शौर्य' ने सीपीआर के बावजूद कोई जवाब नहीं दिया और दोपहर 3.17 बजे उसकी मौत हो गई।

अब तक 7 वयस्क चीतों की मौत

मार्च 2023 से, कूनो में अलग-अलग वजहों से 'शौर्य' समेत 7 वयस्क चीतों और तीन शावकों की मौत हो गई है, जिससे मरने वालों की संख्या 10 हो गई है। अब तक मरने वाले वयस्क चीतों में तीन मादा और चार नर शामिल हैं। इनमें 27 मार्च को साशा, 23 अप्रैल को उदय, 9 मई को दक्ष, 11 जुलाई को तेजस, 14 जुलाई को सूरज, 2 अगस्त को धात्री और 16 जनवरी को शौर्य की मौत हो गई।

तीन शावकों की हो चुकी मौत

नामीबिया से लाई गई मादा चीता 'ज्वाला' ने चार शावकों को जन्म दिया था। जिनमें 23 मई को एक और 25 मई को दो शावकों की मौत हो गई। नामीबिया से लाए गए चीतों में से अब तक 10 की मौत हो चुकी है और कूनो नेशनल पार्क में जीवित बचे चीतों की संख्या अब सिर्फ 17 बची रह गई है, जिनमें छह नर, सात मादा और चार शावक शामिल हैं। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोशल मीडिया के जरिए बताया था कि, नामीबियाई चीता 'आशा' ने तीन शावकों को जन्म दिया है।

चीतों की मौत को लेकर बीते वर्ष मई में सुप्रीम कोर्ट ने भी चिंता जताई थी। शीर्ष अदालत ने सरकार से इस पर हलफनामा दायर करने को कहा था, जिसमें मौत की वजह और उसके बचाव में क्या कदम उठाए गए, इसकी जानकारी देनी थी।

न खाऊंगा और न खाने दूंगा- राजस्व मंत्री

सीहोर। प्रदेश के राजस्व मंत्री और विधानसभा क्षेत्र इछावर के विधायक करण सिंह वर्मा अपने बयानों को लेकर लगातार चर्चाओं में बने हैं। मंत्री का कहना है कि न खाऊंगा, न ही खाने दूंगा। पटवारी अब गांव-गांव जाएंगे और किसानों की समस्याओं का निश्चित समय अवधि में समाधान करेंगे। अगर कहीं कोई गड़बड़ी पाई गई तो बख्शा नहीं जाएगा। राजस्व मंत्री करणसिंह वर्मा ने सीहोर जिले के आष्टा में मीडिया से चर्चा करते हुए कहा, मैंने अधिकारी कर्मचारियों से कह दिया है कि हर कार्य ईमानदारी से होना चाहिए। पटवारी अब गांव-गांव जाएंगे और किसानों की समस्याओं का निश्चित समय अवधि में समाधान करेंगे। मंत्री करण सिंह वर्मा ने आगे बोले, अधिकारियों को स्पष्ट तौर पर कह दिया है कि परिवार की तरह समझकर कार्य करें। हर कार्य ईमानदारी से होना चाहिए, अगर कहीं कोई गड़बड़ी पाई गई तो बक्शा नहीं जाएगा, न खाऊंगा न खाने दूंगा। मंत्री के बयान का वीडियो अब सोशल मीडिया पर भी जमकर वायरल हो रहा है।

राजधानी में आवारा कुत्तों का आतंक, रोज कर रहे 30 की नसबंदी

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ गया है। हालात इस कदर के हो गए हैं कि, मंगलवार को शहर में 40 लोग डॉग बाइट के शिकार बन गए। भोपाल की मेयर ने कुत्तों का बढ़ते आतंक पर मंगलवार को बैठक भी की है। मंगलवार शाम तक भोपाल के अलग-अलग इलाकों में 40 लोगों को आवारा कुत्तों ने काट लिया जिसके बाद बड़ी संख्या में लोग रेबीज़ का टीका लगाने अस्पतालों में पहुंचे। एक दिन पहले ही चार लोगों को भी आवारा कुत्तों ने काटा था।

जनवरी के शुरुआती 2 हफ्तों में ही डॉग बाइट के दर्जनों मामले शहर के अलग-अलग इलाकों से सामने आ चुके हैं। बीती 10 जनवरी को ही सात महीने के मासूम को आवारा कुत्तों ने नोच कर मार डाला था। इस घटना के बाद से ही नगर निगम आवारा कुत्तों को पकड़ने की मुहिम चला रहा है। कुत्तों के काटने की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए भोपाल की मेयर मालती राय ने निगम अफसरों की बैठक बुलाई जिसमें निगम कमिश्नर नोबल फ्रैंक भी मौजूद थे।

सीबीआई ने मणिपुर पुलिस से हथियार लूटने के मामले में दाखिल की चार्जशीट

इंफाल, एजेंसी। सीबीआई ने मणिपुर पुलिस से हथियार और गोला-बारूद लूटने के मामले में चार्जशीट दाखिल कर दी है। समाचार एजेंसी के मुताबिक, सीबीआई ने मई 2023 में मणिपुर पुलिस के कर्मियों से हथियार और गोला-बारूद लूटने के मामले में पांच लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। सीबीआई के एक प्रवक्ता ने बताया कि, आरोप पत्र असम के गुवाहाटी में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कामरूप (मेट्रो) की अदालत में दायर किया गया है। इनमें पांच लोगों के नाम है।

चुनाव से पहले कांग्रेस ने घोषणापत्र के लिए जनता से मांगे सुझाव

नई दिल्ली।

2024 के लोकसभा चुनाव में कुछ ही महीने बचे हैं, ऐसे में कांग्रेस ने अपने चुनावी घोषणापत्र के लिए जनता के बीच जाने का फैसला लिया है। पार्टी ने इसके लिए एक नई वेबसाइट लॉन्च की है, जिसमें देशभर के लोगों से सुझाव मांगे हैं। पार्टी ने कहा कि, लोग नई लॉन्च की गई वेबसाइट आवाज भारत की डॉट इन और एक ईमेल पते के माध्यम से कांग्रेस को अपने सुझाव भेज सकते हैं। कांग्रेस ने वादा किया है कि, अपने घोषणापत्र में लोगों की मांग को ÷जितना संभव हो उतना शामिल करने÷ करने का प्रयास करेंगे। 2019 के लिए भी कांग्रेस ने यही किया था।

लोकसभा चुनाव 2024 से पहले कांग्रेस ने जनता से घोषणापत्र के लिए सुझाव मांगे हैं। पार्टी के घोषणापत्र समिति के अध्यक्ष पी चिदम्बरम ने कहा, घोषणापत्र के निर्माण में भारत के लोगों को शामिल करने के लिए हमने सार्वजनिक परामर्श के साथ-साथ दो और माध्यम लॉन्च किए हैं। हमें पूरी उम्मीद है कि हजारों की संख्या में लोग, विशेषकर युवा, महिलाएं, किसान, श्रमिक, हर क्षेत्र के लोग कांग्रेस के घोषणापत्र में सुझाव देने के लिए सामने आएंगे। हम वादा करते हैं कि पूरी ईमानदारी से आपके मांगों को जितना संभव हो, घोषणापत्र में शामिल करने का प्रयास करेंगे। हमारी कोशिश है कि जनता का साथ मिलने के बाद पार्टी घोषणापत्र को वास्तव में 'पीपुल्स मेनिफेस्टो' बनाया जा सकेगा।

चिदम्बरम ने कहा कि, वह पहले ही दो बार बैठक कर चुके हैं और देश के विभिन्न हिस्सों में काम कर रहे पार्टी के सदस्यों को उनका काम भी बांटा जा चुका है। जनता से सुझाव प्राप्त करने का ÷प्रमुख माध्यम÷ विभिन्न राज्यों से लिया सार्वजनिक परामर्श होगा, जिसके लिए तारीख और स्थान भी तय किए जा चुके हैं। चिदम्बरम ने कहा कि ईमेल के माध्यम से प्राप्त सभी सुझावों को एकत्रित किया जाएगा और उन्हें विषयों के हिसाब से कैटेगरी में बांटा जाएगा। जितना संभव हो सके, अधिक से अधिक सुझावों को घोषणापत्र में शामिल करने का प्रयास किया जाएगा। वहीं, वेबसाइट में लोग पहले से सूचीबद्ध विषयों पर अपने सुझाव दे सकते हैं।

हिंदू जनजागृति समिति की रैलियों में न दिए जाएं नफरत भरे भाषण- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट ने हिंदू जनजागृति समिति द्वारा 18 जनवरी को आयोजित होने वाले एक कार्यक्रम को लेकर रायपुर और यवतमाल प्रशासन को सख्त निर्देश जारी किए हैं। हिंदू जनजागृति समिति और भाजपा विधायक टी राजा सिंह द्वारा आयोजित रैलियों में संभावित नफरत भरे भाषणों पर चिंता जताई गई।

इस मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हमें अधिकारियों से इस तथ्य के प्रति सावधान रहने की जरूरत है कि हिंसा या नफरत भरे भाषण की अनुमति नहीं दी जा सकती है। इसी के साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ के रायपुर और महाराष्ट्र के यवतमाल के जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक को दोनों जगहों पर जनवरी में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के संबंध में निर्देश जारी किए हैं।

जज संजीव खन्ना और जज दीपांकर दत्ता की पीठ ने निर्धारित रैलियों पर रोक लगाने से इनकार करते हुए कहा कि, जिन पार्टियों के खिलाफ नफरत फैलाने वाले भाषणों के आरोप लगाए गए हैं, वे अदालत के समक्ष नहीं हैं। साथ ही पीठ ने दोनों जिलों के जिला मजिस्ट्रेटों और एसपी को रैलियों के स्थल पर सीसीटीवी कैमरे सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। अगर रैली स्थल पर कुछ भी होता है तो नफरत फैलाने वाले लोगों की पहचान की जा सके।

शाहीन अब्दुल्ला ने एक आवेदन दायर किया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि, नफरत फैलाने वाले भाषणों के कई मामले सामने आए हैं। इसमें कहा गया है कि यवतमाल जिले में 18 जनवरी को हिंदू जनजागृति समिति की रैली होने वाली है और इसमें नफरत भरे भाषणों की आशंका है।

इसके अलावा आवेदन में कहा गया है कि, रायपुर जिले में भाजपा विधायक टी राजा सिंह की रैलियां 19 से 25 जनवरी तक निर्धारित हैं। याचिकाकर्ता ने रैलियां आयोजित करने की अनुमति रद्द करने की मांग की थी।

मेरे आराध्य राम पुस्तक का लोकार्पण समारोह सम्मपन

नई दिल्ली।

इंडिया इंटरनेशनल सेंटर बेसमेंट लेक्चर हाल में मेरे आराध्य राम पुस्तक का लोकार्पण किया गया। जिसमें विशिष्ट अतिथि सुरेन्द्र शर्मा (हास्य कवि) और कार्यक्रम की अध्यक्षता बालस्वरूप राही (प्रसिद्ध कवि एवं गीताकार)उपस्थित थे। डॉ संदीप कुमार शर्मा द्वारा सम्पादित पुस्तक मेरे आराध्य राम पुस्तक एक ऐसी ही पुस्तक है। यह पुस्तक युवाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। क्योंकि देश-दुनिया में जो भ्रांतियां व्याप्त है उनका निराकरण करती है यह पुस्तक। पुस्तक को सारगर्भित बनाने के लिए अनेक पुस्तकों के प्रसंग समाहित करने का प्रयास किया है। अनेक अध्यायों में अन्य पुस्तकों के संदर्भ हु-ब-हु रखने का दुस्साहस भी किया और वह इसलिए ताकि हमारे युवा पाठक राम, रामायण और रावण से संबंधित सभी तथ्यों को एक ही पुस्तक में पढ़ सकें। हमारे लिए वाल्मीकि कृत रामायण और गोस्वामी तुलसीदास कृत श्रीरामचरितमानस दोनों ही ग्रंथ धरोहर महत्वपूर्ण हैं। त्रेतायुग को समझने के लिए अतिमहत्वपूर्ण ग्रंथ है वाल्मीकि कृत रामायण।

डायमंड बुक्स के चेयरमैन नरेन्द्र कुमार वर्मा ने आये हुए बाल स्वरूप राही, सुरेन्द्र शर्मा, डॉ.एसएस अवस्थी, डॉ. संदीप कुमार शर्मा, प्रो. पुष्पिता अवस्थी यहाँ पर उपस्थित सभी व्यक्तियों का डायमंड परिवार की ओर से स्वागत किया। और कहा, राम मंदिर के निर्माण कार्य में सिर्फ मंदिर का निर्माण नहीं एक इतिहास का भी निर्माण हो रहा है, एक सभ्य समाज का भी निर्माण हो रहा है। इसीलिए हमें इसे पूरे हसौल्लास के साथ मनाना चाहिए। हमने भी इसे मेरे अराध्य राम के नाम पर संदीप शर्मा जी की कलम का सहारा लेकर मना रहे हैं। इसे हिंदी और अन्य 12 भारतीय भाषाओं में प्रकाशित करने का मन बनाया है। राम हमारे आराध्य हैं, मर्यादा पुरुषोत्तम हैं हमें एक अच्छा इंसान बनने की प्रेरणा देते हैं उनके आदर्शों पर चल कर हम नेक बने, समाज को कुछ दें। डायमंड बुक्स ने 55 वर्षा के अपने जीवन में 10 हजार पुस्तकें प्रकाशित करके सदा साहित्य को जन-जन तक पहुंचाया है। उसी कड़ी में ये पुस्तक है।

डा संदीप शर्मा ने कहा, युवाओं से मेरा विशेष आग्रह है कि वह सबसे पहले महर्षि वाल्मीकि कृत रामायण का अध्ययन अवश्य करें। शेष पाठकों पर निर्भर है कि किसे प्राथमिकता देते हैं। सभी पूर्वग्रहों से मुक्त होकर इस पुस्तक का अध्ययन करने से सभी भ्रांतियां समाप्त होंगी, ऐसा मेरा विश्वास है। राम भारतीय उपमहाद्वीप में ही नहीं बल्कि संपूर्ण विश्व की मानव समुदाय के आराध्य देव हैं। संस्कृत और हिंदी भाषा सहित अन्य भारतीय भाषाओं में रामकथा के प्रसंग तो समाहित हैं ही साथ-ही-साथ नेपाली, तिब्बती, कंबोडिया, तुर्किस्तान, इंडोनेशिया, जावा, बर्मा, थाइलैंड, मॉरीशस के प्राचीन साहित्य में भी रामकथा का उल्लेख मिलता है। प्राचीन काल से ही राम जनमानस हृदय में रचे-बसे हैं। इतना ही नहीं बल्कि दुनिया के विभिन्न देशों में राम मंदिर, शिलालेख एवं अन्य साक्ष्य भी मिले हैं। रामायण के प्रथम रचनाकार महर्षि वाल्मीकि सातों महाद्वीपों में चिरपरिचित रहे हैं और आज भी हैं। राम केवल एक नाम नहीं है अपितु एक जीवन दर्शन है। रामायण के राम किसी एक धर्म और विचारधारा के देव नहीं बल्कि संपूर्ण विश्व के आदर्श हैं।

दुनिया के लगभग 60 देशों में 22 जनवरी को अयोध्या में भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उत्साह, उमंग और उल्लास हर हिंदुस्तानी अपने-अपने घरों में दीप प्रज्वलित कर दीपोत्सव बनाने को तत्पर है। जय श्रीराम का उद्घोष सारी दुनिया में गूंजेगा।

मेरा गांव... मेरी अयोध्या...

मेरी झोपड़ी के भाग आज खुल जाएंगे... राम आएंगे...

माही की गूंज, खवासा।

500 वर्षों के इंतजार के बाद श्री राम जन्मभूमि अयोध्या में होने जा रहे प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर पूरे देश में उत्साह और उमंग का माहौल है और व्यापक तैयारी की जा रही है। उसी कड़ी में मेरा खवासा मेरी अयोध्या के अंतर्गत पिछले कई दिनों से व्यापक तैयारीया की जा रही है। पूरे गांव में झंडे, बेनर, तोरण लगाए गए हैं। सभी मंदिरों के साथ ही मोहल्लों की भी आकर्षक विद्युत सज्जा की गई है। प्रतिदिन प्रभात फेरी में सैकड़ो लोग भजन कीर्तन करते हुए शामिल हो रहे हैं और प्रतिदिन अलग-अलग यजमानों द्वारा उनके जलपान की व्यवस्था की जा रही है। प्रभात फेरी में लोगों का कारवा बढ़ता ही जा रहा है। उल्लेखनीय है कि, प्रभात फेरी में पुरुषों के साथ ही बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी पूरे उत्साह और उमंग के साथ शामिल हो रहे हैं। पूरे गांव को झंडे और तोरण द्वार से सजा दिया गया है।

वाद्ययंत्र के साथ भोर में भजन करते हुए मंडली।

1 जनवरी 24 से अखंड रामायण पाठ

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के निमित्त स्थानीय प्राचीनतम हनुमान मंदिर पर 1 जनवरी से ही अखंड रामायण पाठ जारी है। जिसमें श्रद्धालु एक-एक घंटे निर्धारित समय पर रामायण जी का वाचन करते हैं। पूर्णाहुती 22 जनवरी को अयोध्या में रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा के साथ होगी । इस अवसर पर एक महायज्ञ का भी आयोजन किया जाएगा। 22 जनवरी को सुबह कलश यात्रा निकाली जाएगी जो पूरे गांव में भ्रमण करेगी। वहीं शाम को शोभायात्रा भी निकाली जाएगी। इस अवसर पर भंडारे का आयोजन भी रखा गया है तथा पूरे नगरवासियों से अपील की गई है कि वे 22 जनवरी को होने वाली प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए स्वैच्छिक रूप से अपने प्रतिष्ठान बंद रखें और गांव के विभिन्न मंदिरों पर होने वाले धार्मिक कार्यक्रम में सहभागिता करें। वही स्थानिय व्यापारी संघ ने बुधवार को सभी व्यपारियो की गोपाल मंदिर पर एक बैठक रखी गई जिसमें निर्णय लिया गया कि, सभी प्रतिष्ठान 22 जनवरी को बन्द रखे जाएगे। दुध व दवाई की दुकान पर सिर्फ दुध व दवाई बैची जाएगी इसके अलावा कोई सामग्री नही बैची जाईगी। इसके अलावा कोई व्यापारी दुकान खोलता है तो 5100 का जुर्माना वसुल कर उस राशी को उक्त धार्मीक आयोजन हैतु दि जाएगी। साथ ही सभी व्यापारी धार्मीक आयोजन में 22 जनवरी को अपनी विशेष भुमिका निभाएगें।

मंदिरों में आकर्षक विद्युत सज्जा

गांव के सभी मंदिरों को आकर्षक विद्युत सज्जा के साथ सजाया गया है यही नहीं विभिन्न मंदिरों पर प्रतिदिन धार्मिक कार्यक्रम गीत- भजन आयोजित किया जा रहे हैं वहीं 21 जनवरी को स्थानीय राम मंदिर पर भजन संध्या का आयोजन भी रखा गया है जिसमें भजन गायक अमर पंजाबी अपनी प्रस्तुति देंगे।

भगवान श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का साक्षी बनना प्रत्येक देशवासी को गौरवित कर रहा है और इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में सभी ग्रामीण अपने-अपने स्तर से यादगार बनाने के लिए व्यापक तैयारीया कर रहे हैं वहीं सोशल मीडिया पर शीतलहर से ज्यादा राम लहर होने का दावा किया जा रहा है। व्हाट्सएप स्टेटस और फेसबुक स्टोरी सभी जगह भगवान श्री राम के स्वागत संबंधी गीत लगाए जा रहे हैं कुल मिलाकर पूरे देश में उत्साह का माहौल है और श्री राम के स्वागत की तैयारी अपने-अपने स्तर से व्यापक रूप से की जा रही है।

श्री रामलला सरकार के अयोध्या में पुनः प्रतिष्ठित होने के संदर्भ में हो रहे आयोजन

माही की गूंज, आम्बुआ।

मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम जी जिनका अवतार तीर्थ कोटी अयोध्या में हुआ था उन्हीं के लिए नवनिर्मित हो रहे भव्य मंदिर में भगवान के विग्रह की स्थापना के पूर्व संपूर्ण विश्व में अनेक कार्यक्रम किऐ जा रहे हैं। उसी कड़ी में विगत सप्ताह से आम्बुआ राममय दिखाई दे रहा है विभिन्न आयोजन यहां प्रतिदिन सुबह हो रहे हैं।

आम्बुआ में श्री राम उत्सव समिति द्वारा अक्षत कलश पूजन, प्रभात फेरी, भजन संकीर्तन के साथ के बाद अब घर-घर या मोहल्ला मोहल्ला हनुमान चालीसा, महिला मंडल द्वारा भजन संकीर्तन तथा सुंदरकांड किया जा रहे हैं। जिसमें सर्वप्रथम अतिंद्र त्रिपाठी तथा सुनील चौहान के घरों में सुंदरकांड का संगीतमय आयोजन किया गया सुंदरकांड खट्टाली से हरीसतसंग भजन मंडली द्वारा संगीत के साथ किया गया। जिसमें देर रात तक श्रोता झूमते नजर आए आगामी दिनों में 21 जनवरी तक ऐसे अनेक आयोजन किया जाना है। कस्बे के समस्त सनातन हिंदू परिवारों से आयोजनों में तन मन धन से सहयोग प्रदान किया जा रहा।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, डेढ़ साल पहले हुई सगाई, बर्थडे पर घटना को दिया अंजाम, अब गिरफ्तार

माही की गूंज, रतलाम।

मंगेतर को अपने जन्मदिन पर बुलाकर उसके साथ दुष्कर्म करने के बाद शादी से मना करने के मामले में धार जिले के ग्राम धमाना निवासी आरोपी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से न्यायालय ने आरोपी को जेल भेजने के आदेश दिए।

रतलाम के स्टेशन रोड थाना पुलिस से मिली जानकारी अनुसार, धार जिले के बदनावर थाना क्षेत्र के ग्राम धमाना निवासी पंकज पिता गोवर्धन डाबी उम्र 22 वर्ष की सगाई रतलाम स्टेशन रोड थाना क्षेत्र निवासी युवती से करीब डेढ़ वर्ष पहले हुई थी। आरोपी पंकज का नवंबर 2023 में जन्मदिन था। आरोपी पंकज ने अपने जन्मदिन पर मंगेतर युवती को अपने घर बुलाया और जन्मदिन मनाने के बाद उसके साथ बहला फुसला कर दुष्कर्म किया और बाद में सगाई भी तोड़ दी, और शादी करने से मना कर दिया।

युवती ने पूरे घटनाक्रम की शिकायत पुलिस को की। इस पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज कर आरोपी पंकज को गिरफ्तार कर मंगलवार को न्यायालय में पेश किया। जहां से न्यायालय ने आरोपी युवक को जेल भेजने के आदेश दिए। इस पर पुलिस ने आरोपी को जेल दाखिल कर दिया।

हत्या के आरोपी मुबारक खान ने भगवा वस्त्र पहनकर सुनाए भजन

माही की गूंज, रतलाम।

2 2 जनवरी को अयोध्या राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होने वाली है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पुरे देश में खुशी और उत्सव का माहौल है। देश भर के अलग-अलग शहरों और इलाकों में कई तारक के आयोजन किए जा रहे हैं। लोग अपने-अपने तरीके से अपनी भक्ति दिखा आ रहे हैं।

जिला जेल में धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन

इसी कड़ी में मध्य प्रदेश के रतलाम जिले से भी राम मंदिर से जुड़ी एक खबर सामने आई है। यहां रतलाम जिला जेल में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के मद्देनजर सोमवार को धर्मिक कार्यक्रम आयोजित किया। इस आयोजन के दौरान सबका ध्यान हत्या का आरोपी मुबारक खान सबसे बड़ा आकर्षण का केंद्र रहा। ऐसा इसलिए क्योंकि मुबारक खान ने केसरिया धोती-कुर्ता पहना और माथे पर तिलक लगाकर वहां मौजूद कैदियों को भजन सुनाए।

थाने का वाहन ले जाकर होटल में वसूली के लिए दिखा रहा था धौंस, पुलिस ने किया गिरफ्तार

माही की गूंज, रतलाम।

थाने का वाहन ले जाकर एक युवक ने अपने साथी के साथ मिलकर होटल संचालक से अवैध वसूली का प्रयास किया। रुपये नहीं दिए तो मारपीट भी की। इस घटना का वीडियो बन गया तो पुलिस ने वाहन ले जाने वाले युवक व उसके साथी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।

ये है पूरा मामला

पुलिस के अनुसार होटल शिवजी के संचालक हरीश चौइथयानी निवासी मकड़ावन गली स्टेशन रोड ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि, 15 जनवरी की रात करीब एक बजे वे मैनजर अरविंद त्रिपाठी के साथ होटल के काउंटर पर बैठे थे। इस दौरान स्टेशन रोड थाने का पुलिस मोबाइल वाहन होटल के सामने रूका। वाहन चला रहे युवक आरोपित इरफान ने सायरन बजाकर उन्हें बुलाया। वे उनके पास गए तो वह कहने लगा कि तुम लोगों ने अभी तक दुकान क्यों खोल रखी है। मुझे शराब पीने के लिए रुपए दो।

मना करने पर उसने कालर पकड़कर मारपीट की और वाहन में बैठे युवक की ओर इशारा करते हुए कहा कि, यह साहब हैं और फिर से धमकाने लगा। अन्य लोग भी वहां आ गए और किसी ने वीडियो भी बनाया। इस पर इरफान व उसका साथी अन्य लोगों के साथ गाली गलौच करते हुए चले गए। पुलिस के अनुसार आरोपित इरफान खान पुत्र चांद खान व शादाब खान पुत्र सिकंदर खान के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। दोनों को मंगलवार को न्यायालय में पेश किया था, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

कभी-कभी पुलिस का गाड़ी चलाता है आरोपी

बताया जाता है कि, आरोपित इरफान कभी-कभी पुलिस विभाग के ड्राइवर के नहीं होने पर पुलिस वाहन चलाता था। इस कारण वह थाने पर आता-जाता रहता था। वह वाहन की चाबी तथा वाहन किसी की अनुमति से ले गया था या अपनी मर्जी से यह पता नहीं चल पाया है। एएसपी राकेश खाखा ने बताााया कि मामले की जांच की जा रही है कि वे वाहन क्यों ले गए थे।

धान मंडी क्षेत्र में लगी आग, दमकल की टीम ने आग पर पाया काबू

माही की गूंज, रतलाम।

नगर के धान मंडी क्षेत्र स्थित एक भोजनालय के ऊपरी हिस्से में बनी गैलरी में रखे सामान में अचानक आग लग गई। आग की लपटें देख क्षेत्र में सनसनी फैल गई और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पुलिस और फायर फाइटर मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया गया।

रतलाम के धान मंडी क्षेत्र स्थित श्रीराम कृपा दाल बाटी की दुकान के ऊपरी हिस्से में बनी गैलरी में रखे सामान में मंगलवार शाम करीब सात बजे अचानक आग लग गई। आग की लपटें देख मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। आग लगने की सूचना पुलिस कंट्रोल रूम पर दी गई, जिसके बाद पुलिस और दमकल वाहन सहित टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया।

भोजनालय पर रंग-रोगन का कार्य चल रहा है। शाम को काम समाप्त होने के बाद कलर करने वाले कलर के सामान सहित थिनर गैलरी में रखकर चले गए। साथ ही यहां पर कुछ बिस्तर भी रखे हुए थे। इन्ही में आग लगी है, आग की सूचना मिलते ही नगर निगम ने घनी आबादी क्षेत्र होने की वजह से मौके पर एक साथ दो दमकल वाहन भेजे, जिससे तुरंत ही आग पर काबू पा लिया गया। आग कैसे लगी अभी कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है।

सांझा विरासत स्थल और सांप्रदायिक एजेंडा

सन 1992 के छह दिसंबर को भारत में किसी भी विरासत स्थल पर सबसे बड़ा संगठित हमला हुआ था। यह हमला राज्य और उसके बल की मौजूदगी में हुआ। रामलला की मूर्तियाँ बाहर निकाली गईं और एक अस्थायी मंदिर में रख दी गईं। अब राममंदिर का उद्घाटन हो रहा है। मगर इसमें भगवन राम की दूसरी मूर्ति रहेगी।

एक धर्मनिरपेक्ष देश के प्रधानमंत्री द्वारा एक मंदिर के उद्घाटन के नाम पर भारत के साथ-साथ दुनिया के करीब 50 देशों में जूनून पैदा किया जा रहा है। संघ परिवार के सभी सदस्य आव्हान कर रहे हैं कि अयोध्या में राममंदिर के उद्घाटन के दिन लोग दिवाली मनाएं और अपने शहर या गाँव के मंदिरों में कार्यक्रमों का आयोजन करें। हिन्दू राष्ट्र के एजेंडा के पैरोकार संघ-भाजपा के लिए राममंदिर बहुत फायदे का सौदा रहा है। बाबरी मस्जिद के ढहाए जाने से लेकर मंदिर के उद्घाटन तक दृ हर चरण से भाजपा को चुनावी लाभ हुआ है। मस्जिद का विध्वंस, जो कि एक आपराधिक कृत्य था, उसके बाद हुई हिंसा और फिर मंदिर का उद्घाटन दृ इस पूरे काल में समाज का धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण और मज़बूत होता गया है।

इसी तरह के प्रयोग अन्य स्थानों पर भी किये गए हैं। कर्नाटक में बाबा बुधनगिरी की मज़ार को मुद्दा बनाया गया। सूफी संतों की मज़ारों की तरह, वहां भी हिन्दू और मुसलमान दोनों मत्था टेकते थे। सन 1990 में सांप्रदायिक ताकतों ने एक अभियान शुरू किया। उन्होंने दावा किया कि यह मज़ार, दरअसल, हिन्दू पवित्रस्थल है जिस पर मुसलमानों ने कब्ज़ा कर लिया है। ÷सरकारी रिकार्ड में इस स्थल को श्री गुरु दत्तात्रेय बाबा बुधन स्वामी दरगाह कहा गया है।।इसे बाबा बुधनगिरी और दत्तात्रेय पीठ भी कहा जाता है। सन 1964 के पहले तक इस तीर्थस्थल में हिन्दू और मुसलमान दोनों श्रद्धा रखते थे। वह सूफी संस्कृति और हिन्दू व इस्लामिक सांस्कृतिक एकता का प्रतीक थी। दो धर्मों का यह तीर्थस्थल अब हिन्दुओं और मुसलमानों के बीच विवाद का विषय बन गया है।÷ मामला अब अदालत में है मगर इस दौरान भाजपा, दक्षिण भारत में पहली बार कर्नाटक में अपनी स्थिति मज़बूत बनाने में सफल रही है। कर्नाटक में यह मसला ध्रुवीकरण का स्थाई कारण बन गया है।

इसी तर्ज पर हैदराबाद में चारमीनार की दीवार से सटे भाग्यलक्ष्मी मंदिर का धीरे-धीरे विस्तार किया जा रहा है ताकि विवाद और तनाव के बीज बोये जा सकें। मंदिर के विस्तार से चारमीनार जो कि एक ऐतिहासिक इमारत है को नुकसान पहुँच रहा है। यह भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के नियमों का भी उल्लंघन है। एएसआई लगातार यह कह रही है कि मंदिर में मरम्मत और सुधार से चारमिनार को नुकसान हो सकता है। मगर एएसआई की सुनने को कोई तैयार नहीं है। सरकार चारमीनार को नुकसान होने दे रही है। इससे ऐतिहासिक चारमीनार इलाके और पुराने हैदराबाद में रहने वाले लोगों में ख़ासा आक्रोश है। इस मुद्दे को लेकर कुछ झड़पें भी हो चुकी हैं।

इस मामले में महाराष्ट्र भी पीछे नहीं है। मुंबई के नज़दीक हाजी मलंग दरगाह को लेकर विवाद खड़ा किया गया और अब मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे इस दरगाह को हिन्दू पूजा स्थल घोषित करने को लेकर आन्दोलन फिर से शुरू करना चाहते हैं। इस आन्दोलन की शुरुआत शिंदे के राजनैतिक गुरु आनंद दिघे ने 1982 में की थी। ÷महाराष्ट्र की मिलीजुली संस्कृति के प्रतीक इस स्थल को लेकर सांप्रदायिक तनाव पहली बार सन 1980 के दशक में भड़का जब शिवसेना नेता दिघे ने यह दावा करने हुए आन्दोलन प्रारंभ कर दिया कि दरगाह उस स्थल पर बनाई गयी है जहाँ पहले नाथपंथ का पवित्र स्थल था।÷ द इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार दिघे ने यह दावा भी किया कि मज़ार की ज़मीन हिन्दुओं की है क्योंकि वहां 700 साल पहले मछेन्द्रनाथ मंदिर था। शिवना के नेता उर्स के दिन वहां जाने लगे। इससे साथ ही तनाव की शुरुआत हुई। यह मामला भी अदालत में है।

सेंटर फॉर स्टडी ऑफ़ सेकुलरिज्म एंड सोसाइटी, मुंबई, ने मामले की पड़ताल के लिए एक तथ्यान्वेषण समिति बनाई जिसने दरगाह के ट्रस्ट के ट्रस्टी काशीनाथ गोपाल केतकर से बात की। केतकर ने बताया, ÷उनके पास दस्तावेजी या कोई भी ऐसा दूसरा सुबूत नहीं है जिससे यह साबित होता हो कि यह नाथ पंथ का मंदिर था।÷ उन्होंने कहा कि ÷इस विवाद के कारण उर्स के दिन दरगाह पर आने वाले मुसलमानों की संख्या में कमी आई है - मगर वे अन्य दिनों में आते हैं, पूरे साल आते हैं।÷ जब उनसे पूछा गया कि वे दरगाह के नये नामकरण के बारे में क्या सोचते हैं तो उन्होंने कहाँ, ÷मुझे यह बिलकुल सही नहीं लगता बल्कि मुझे यह देख कर दुःख होता है कि इस तरह की चीज़ों को शह दी जा रही है। इसमें कोई संदेह नहीं कि यह स्थल मुस्लिम सूफियों का है और उनके भक्त सभी देशों में पाए जाते हैं।÷ उन्होंने आगे कहा, ÷इस पहाड़ी के चारों तरफ के 40 गाँवों के लोग इसे हाजी मलंग ही कहते रहेंगे क्योंकि उनकी इस दरगाह में गहरी श्रद्धा है। मगर जिनके इरादे गलत हैं, वे तो वही कहेंगे जो उनके लिए फायदेमंद हो।÷ इस वंशानुगत ट्रस्टी ने यह भी कहा, ÷हमारा लक्ष्य यही है कि बाबा के भक्तों को अच्छी से अच्छी सेवा उपलब्ध करवाएं ताकि उन्हें कोई तकलीफ न हो।÷

रामा श्याम नामक एक शोध अध्येता, जिन्होंने इस दरगाह को फोकस में रखते हुए भारत की सांझा संस्कृति पर अपना डॉक्टरेट शोध प्रबंध प्रस्तुत किया है, ने 'इंडियन एक्सप्रेस' से एक साक्षात्कार (8 जनवरी 2024) में बताया कि केतकर परिवार के पास ऐसे दस्तावेज हैं जिनसे यह साबित होता है कि वे दरगाह से पिछले 360 सालों से जुड़े हुए हैं। जहाँ तक हाजी मलंग की दरगाह और पहाड़ी की तलहटी से लेकर उसकी चोटी तक स्थित कई पवित्र स्थलों का सवाल है, उनके बारे में कहानियां एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक वाचिक परंपरा से पहुँचती रही हैं। ऐसा कहा जाता है कि बाबा मलंग, मदीना से इस स्थान तक आये थे। एंग्लो-मराठा युद्ध (1774) के समय से इस दरगाह की चर्चा मिलती है। सन 1882 का ठाणे गजेटियर कहता है कि मलंग गढ़ पहाड़ी पर बावा मलंग मेला भरता है।

राम पुनियानी

विरासत स्थलों के लेकर जबरन विवाद खड़ा करना और उन्हें ऐसे हिन्दू स्थान बताना जिन पर मुसलमानों ने कब्ज़ा कर लिया है और जिन्हें मुसलमानों से छीना जाना चाहिए, सांप्रदायिक ताकतों की पुरानी तकनीक है।

भारत में अनेक पवित्र स्थल हैं, जहाँ सभी धर्मों के लोग पहुँचते हैं। यह दिलचस्प है कि सबरीमाँला मंदिर जाने वाले तीर्थयात्री पहले सेंट सेबेस्टियन चर्च जाते हैं और फिर बावर मस्जिद में। यह है भारत की सांझा संस्कृति। यह संस्कृति सदियों से भारत में फलती-फूलती रही है।

अब तो सांप्रदायिक राष्ट्रवाद ने इतना भयावह स्वरुप अख्तियार कर लिया है कि ट्रैफिक जाम के बहाने सुनहरी बाग मस्जिद तक को निशाना बनाया जा रहा है। ऐसे पवित्र स्थल जहाँ सभी धर्मों के लोग आते हैं, भारत की धार्मिक परंपरा के आधार रहे हैं। साप्रदायिक राजनीति के परवान चढ़ने के साथ ही दरगाहों को निशाना बनाया जा रहा है और सूफियों का दानवीकरण हो रहा है। यह सचमुच दुखद है कि धर्मों के मेलजोल की परंपरा को ही नीची निगाहों से देखा जा रहा है।

अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर अंचल में भी अपार उत्साह

जिले भर में हो रहे अलग-अलग धार्मिक आयोजन, निकाली जा रही प्रभात फैरियां

धूमधाम से होगी श्री पंचमुखी हनुमान जी की प्राण प्रतिष्ठा

माही की गूंज, पारा।

हमारी अयोध्या हमारा पारा के अंतर्गत श्री महाबली पंचमुखी हनुमान जी प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का भव्य कलश यात्रा के साथ प्रारंभ होकर 22 जनवरी सोमवार तक श्री मारुति पांच कुंडात्मक महायज्ञ एवं विशाल भंडारे के साथ समापन होगा। जिसमें हवन के मुख्य जजमान स्वर्गीय गेंदालाल दशोरा के सुपुत्र नितिन राका, सुनील दशोरा (बंटी) ने तन,मन,धन से योगदान देकर सफल बनाने का संकल्प लिया। श्री महाबल पंचमुखी हनुमान जी की प्रतिमा भी चित्रकूट से लाने का योगदान भी राका दशौरा की ओर से रहा।

यह होगा आयोजन

प्राण प्रतिष्ठा आयोजन की शुरुआत 18 जनवरी को कलश यात्रा के साथ आरम्भ होगी। जिसके बाद 19 जनवरी को श्री सेमलिया धाम की भक्त मंडली द्वारा भजन का आयोजन होगा। 20 जनवरी को श्री रामायण मंडल पारा द्वारा श्री सुंदरकांड का आयोजन होगा। 21 जनवरी प्रातः 11 बजे शोभा यात्रा निकाली जाएगी जिसमें श्री प्रतिमा जी एवं 17 फीट के हनुमान जी राम, लक्ष्मण, जानकी की झांकी निकाली जाएगी। नासिक के 30 ढोल ताशे और भव्य अखाड़े और उज्जैन महाकाल जी की तोप से 151 धमाके होंगे। 22 जनवरी को प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा होकर हवन की पूर्णाहुति कर विशाल भंडारे के साथ कार्यक्रम का समापन होगा।

ड्रोन कैमरे से शोभायात्रा की होगी निगरानी

आयोजन को भव्य बनाते हुए सरदारपुर के वीर बजरंग दल आजाद अखाड़ा द्वारा बेहतरीन प्रस्तुतिया दी जाएगी। जिसमे ड्रोन कैमरे द्वारा शोभायात्रा पर विशेष निगरानी रखी जायेगी। आयोजन की समस्त कार्यक्रम की जानकारी संयोजक कर्ता श्री महंत 108 श्री गरुड़ दास जी महाराज त्रिवेणी धाम फतेहपुर एवं महाबली पंचमुखी हनुमान जी मंदिर के भक्तों के द्वारा दी गई।

बजरंगबली के बल ने सारे जग को तारा है!
पुण्य प्रताप का परचम अबकी बार पारा है!!

श्री राम लल्ला की प्राण प्रतिष्ठा, निकल रही प्रभात फेरी

श्री राम लल्ला प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर ग्राम पारा में धर्म की गंगा बह रही है। स्थानीय श्री राम मंदिर को लाइट डेकोरेशन से सजाया गया है। इस शुभ अवसर पर पूरे गांव को भगवा झंडा व तोरण बांधकर सजाया गया है। 18 जनवरी से घरों में रंगोलिया बनाकर प्रत्येक ग्राम के घरों में दीपक भी जलाएंगे। यह सिलसिला 22 जनवरी तक चलेगा। वर्तमान में रोजाना प्रातः काल में राम भक्तों द्वारा जय-जय सियाराम की जय घोष व ढोलक-मंजीरा के साथ स्थानीय श्री राम मंदिर से रोजाना प्रभात फेरी निकाली जा रही है। फेरी गांव की हर गली चौराहे से होकर पुनः राम मंदिर पर समापन हो रहा है, जिसके बाद श्री राम जी की आरती कर प्रसादी भी वितरित की जा रही है। प्रभात फेरी में बढ़ते हुए रोजाना सैकड़ो पुरुष-महिलाओं से लेकर बाल गोपाल लड़के-लड़कियां भी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। फेरी निकालने के दौरान गांव के राम भक्तों द्वारा फेरी में आए भक्तों का पुष्प वर्षा से स्वागत भी किया जा रहा है। भक्तों द्वारा रामधुन के साथ बेहतरीन भजन कीर्तन की प्रस्तुति भी दी जा रही है।

हे आर्य पुत्रों, हे राम भक्तों तुम्हे अयोध्या बुला रही है!

दमक रहा है, श्री राम मंदिर दिवाली सी जगमगा रही है!!

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर राम भक्तों में जबरदस्त उत्साह

राम भक्त निकाल रहे हैं राम धुन प्रभात फेरी

माही की गूंज सारंगी।

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है राम भक्तों में उत्साह बढ़ता जा रहा है प्रभु श्री राम मंदिर के चित्र और पताका से नगर भगवा मय हो गया है नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक सुबह बड़ी संख्या में लोग एकत्रित होकर रामधुन की प्रभात फेरी निकाल रहे हैं राम भक्तों का पूरे नगर में पुष्प वर्षा कर स्वागत किया जा रहा है

राम भक्त घर-घर जाकर पीले चावल देकर लोगों से श्री राम जी का उत्सव धूमधाम से मनाने का आग्रह कर रहे हैं नगर सहित पूरा क्षेत्र ही राम की भक्ति में पूरी तरीके से रमकर राम मय हो चुका है राम भक्तों ने बताया कि नगर में जितने भी मंदिर हैं सभी को विद्युत साज, भगवा ध्वज से आकर्षित रूप से सजाया गया है

नगर के सभी मंदिरों में श्री गणेश सुंदरकांड मंडल सारंगी के सदस्यो द्वारा सुंदरकांड पाठ का पारायण प्रतिदिन किया जा रहा है साथ ही महिला मंडल के सदस्यों द्वारा शाम के वक्त भजन कीर्तन किया जा रहे हैं

उत्सव को लेकर राम भक्तों ने बताया की प्रभु श्री रामलला अयोध्या में विराजमान होने जा रहे हैं तो पूरा देश, मेरा गांव मेरा नगर, मेरा घर मेरी बस्ती ,मेरा मोहल्ला अयोध्या का भाव की जागृति से पूरे देश के साथ-साथ नगर में भी हो रहा

अयोध्या में पूजित अक्षत कलश का घर-घर वितरण, मनाई जाएगी दीपावली

माही की गूंज, बरवेट।

अयोध्या में निर्माणाधीन श्रीराम मंदिर में 22 जनवरी को रामलला विराजमान होंगे। इसे लेकर व्यापक तैयारियां की गई हैं। इसी कड़ी में अयोध्या में पूजित अक्षत कलश बरवेट सहित मंडल के 16 गांवों में वितरित करने का कार्य प्रारंभ हो गया है। बरवेट में विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओ ने शनिवार देर रात अक्षत कलश लेकर घर-घर जाकर पूजित अक्षत देकर निमंत्रण दिए।

रामलला के विराजते ही दीपावली घर-घर में मनाई जाए

विश्व हिंदू परिषद ओर हिन्दू जागरण मंच कार्यकर्ताओ ने निमंत्रण पत्र वितरित करते समय सभी को संकल्प दिलाया कि अयोध्या में रामलला के विराजते ही दीपावली घर-घर में मनाई जाए। इस बार रामलला 500 वर्ष बाद अपने घर लौट रहे हैं। प्रत्येक घर में रामचरित मानस हो, सुंदरकांड हो, हनुमान चालीसा पाठ हो। धर्म की गंगा प्रवाहित हो जाए। कलश वितरण के दौरान श्रीराम मंदिर के पुजारी जगदीश महाराज के साथ स्वयं सेवक अपने हाथो में कलश लेकर आगे वितरित कर रहे थे। ढ़ोल-नगाड़ों का स्वर गूंज रहा था। नगर की पूर्ण परिक्रमा के बाद निमंत्रण अक्षत वितरण का कार्य समाप्त हुआ।

20 जनवरी को बैठक का आयोजन

विश्व हिंदू परिषद के बरवेट खंड कार्यवाह उज्ज्वल त्रिवेदी ने बताया है कि, 20 जनवरी को एक सर्वसमाज की बैठक का आयोजन किया जाएगा। जिसमें विश्व हिंदू परिषद, हिन्दू जागरण मंच तथा अन्य सामाजिक संगठन इस बैठक में शामिल होंगे। बैठक का मुख्य उद्देश्य 22 जनवरी को श्री रामलला के विराजित होने पर इस को उत्सव के रूप में मनाया जाए और इस दिन को एतिहासिक बनाया जाए। उन्होंने बताया कि, पीले अक्षत को घर-घर जाकर लोगों को आमंत्रित किया है और कहा कि अयोध्या चलें। उन्होंने कहा कि 500 बरसों बाद अब भव्य राम मंदिर में हिंदुओं के आराध्य देव श्री राम विराजमान होने जा रहे हैं। यह हर सनातनी के लिए गौरव की बात है।

20 को खादू श्याम की भजन संध्या, 22 को श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा का उत्साह

माही की गूंज, अमरगढ़।

जैसे-जैसे अयोध्या में भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा का अवसर नजदीक आते जा रहा है। वैसे-वैसे क्षेत्र में प्रभात फेरी, सुंदरकांड पाठ, सामुहिक हनुमान चालीसा पाठ, वाहन रैली, पैदल यात्रा आदि का दौर बढ़ता जा रहा है। इसी तारतम्य में ग्राम अमरगढ़ में भी ग्राम के राम मंदिर, शिव मंदिर, कालका माता, भेरूजी मंदिर, तेजाजी मंदिर, अम्बे माता मंदिर व समीपस्थ पंचमुखी हनुमान मंदिर को भी विद्युत साज-सज्जा से सजाया जा चुका है। हर घर के साथ ही मार्ग को भगवा पताका लगाकर सजाया गया है। वहीं 22 जनवरी को जब अयोध्या में भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। इस अवसर पर ग्राम अमरगढ़ टेकरी स्थित राम मंदिर से एक विजय जुलूस समीपस्थ पंचमुखी हनुमान मंदिर रामपुरिया तक निकाला जाएगा।

आकृति मिश्रा के आगमन से श्याम प्रेमी उत्साहित

20 जनवरी को ग्राम अमरगढ़ में एक शाम खादू श्याम के नाम भजन संध्या का आयोजन भी किया जा रहा है। जिसमे राजस्थान की सुप्रसिद्ध भजन गायिका आकृति मिश्रा के साथ जिले के राणापुर की सोनल शर्मा अपने एक से बढ़कर एक भजनो की प्रस्तुति देंगी। आयोजन में खादू श्याम का भव्य दरबार सजाया जाएगा। साथ ही पुष्प वर्षा, छप्पन भोग, अखंड ज्योति दर्शन व इत्र वर्षा की जाएगी। वही ग्राम के नव युवक मित्र मंडल ने सभी श्याम प्रेमियों से अपील की है कि, अधिक से अधिक संख्या में पधारकर खादू श्याम भजन संध्या का आनंद ले व आयोजन को सफल बनाएं।

असामाजिक तत्वों ने जलाए श्रीराम के भगवा ध्वज, एक आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, करवड़। अरुण पाटीदार

पेटलावद थाना क्षेत्र के मोर गांव में मंगलवार-बुधवार रात को अज्ञात लोगों के द्वारा करीबन 25-30 से अधिक भगवा झंडे जिन पर भगवान श्रीराम का चित्र अंकित थे को अपमानित करते हुए जला दिया गया था। श्री राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के चलते राम भक्तों ने बड़ी उत्साह से गांव में भगवा झंडे लगाए थे। इसमें ग्राम पंचायत भवन पर लगा ध्वज भी अज्ञात लोगों के द्वारा ध्वज को अपमानित करते हुए आगजनी की घटना को अंजाम दिया गया।

उक्त झण्डे किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा निकालकर धार्मिक भावनाओं को आहत करने की नियत से जला देने से फरियादी विरेन्द्रसिंह पिता प्रतापसिंह राठौर निवासी ग्राम मोर की रिपोर्ट पर थाना पेटलावद पर अपराध क्रमांक 38/2024 धारा 295 भादवि का पंजीबद्ध किया गया। इस दौरान एसपी अगम जैन भी मामले की गंभीरता को देखते हुए घटना स्थल पहुंचे थे। पुलिस अधीक्षक अगम जैन के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झाबुआ प्रेमलाल कर्व एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) पेटलावद के मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी करवड उप निरीक्षक राजाराम भगोरे के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए मामले में एक बाल अपराधी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया। शेष आरोपियों की तलाश में पेटलावद पुलिस जुटी हुई है।

छात्रों का मैथ्स ओलंपियाड के लेवल टू में हुआ चयन

माही की गूंज, थांदला।

अणु पब्लिक स्कूल बच्चो के उज्जवल भविष्य के लिए नए-नए प्लेटफार्म हमेशा देने के लिए प्रयासरत है। इस क्रम में विद्यालय द्वारा ओलंपियाड एक्जाम का आयोजन प्रतिवर्ष होता आ रहा है। यह स्कूल के लिए गर्व का विषय है कि, इस वर्ष विद्यालय के मुदित चिराग घोड़ावत कक्षा 4 और मिश्का मयंक श्रीमार कक्षा 3 का दूसरे लेवल के लिए सिलेक्शन हुआ है। इसी के साथ प्रथम लेवल में विद्यालय में प्रथम आने पर दोनो को गोल्ड मेडल और सर्टिफिकेट ओलंपियाड फाउंडेशन द्वारा दिया जावेगा। संस्था के डायरेक्टर प्रदीप गादिया, हर्ष गादिया और प्रिंसिपल प्रमोद नायर एवं संध्या नायर द्वारा दोनो बच्चो और उनके परिवार जनों को बधाई दी गई और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

अयोध्या पैदल जा रही शबनम शेख के खिलाफ फतवा जारी

छतरपुर।

महाराष्ट्र से अयोध्या पैदल यात्रा कर जा रही 21 वर्ष की शबनम शेख के खिलाफ मौलवियों ने फतवा जारी कर दिया है। इस पर सबनम ने कहा है कि, वह भारत की बेटी है। यह देश संविधान से चलता है न कि सरिया कानून से... मेरी आस्था भगवान राम भगवान शिव के अलावा अन्य देवी देवताओं में भी है। मौलाना और मौलवी मुझे डराना चाहते हैं ताकि मेरी यात्रा भंग हो सके लेकिन मैं श्री राम की भक्त हूं और अंतिम क्षण तक रहूंगी। मेरे माता पिता मेरे पहनावे पर कोई कमेंट नहीं करते हैं तो मौलवी और मौलाना फतवा जारी करने वाले कौन होते हैं।

हिंदू देवी देवताओं को मानती आई हूं।

मुंबई के नालासोपारा की रहने वाली 21 वर्ष की शबनम शेख ने 28 दिनों पहले अयोध्या धाम के लिए यात्रा शुरू की थी। शबनम शेख ने कहा- मैं और मेरा पूरा परिवार भगवान श्री राम का भक्त है। ऐसा नहीं है कि मैं यह सब केवल ट्रेंड में रहने के लिए कर रही हूं। मैं जहां पर रहती हूं वह हिंदू बाहुल्य इलाका है। मैं हमेशा से हिंदू देवी देवताओं को मानती आ रही हूं। मैंने अजान से पहले मंदिरों की घंटियां एवं पूजा सुनी है।

मौलाना सिर्फ सवाल उठा सकते हैं...

फतवा जारी करने के सवाल को लेकर शबनम शेख ने कहा कि, मौलवी और मौलाना सिर्फ सवाल खड़ा कर सकते हैं। मौलाना कभी कपड़ों को लेकर तो कभी धर्म को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। भारत एक पंथनिरपेक्ष देश है। यह कोई इस्लामिक देश नहीं है। भारत में मौलवी-मौलानाओं के फतवे का कोई असर नहीं होने वाला है। मुझे भारतीय कानून एवं संविधान पर पूरा भरोसा है। मेरे धर्म के कुछ मौलाना एवं मौलवी मेरी इस यात्रा में बाधा डालना चाहते हैं। शबनम ने बताया कि उनके परिवार में माता पिता और भाई बहन हैं।

पुलिस सुरक्षा भी चल रही साथ...

शबनम को मध्य प्रदेश पुलिस की ओर से सुरक्षा दी जा रही है। शबनम के साथ कुछ पुलिसकर्मी चलते हैं। शबनम की सुरक्षा में लगे पुलिसकर्मी अलग-अलग थानों के हिसाब से बदलते रहते हैं। शबनम शेख ने बताया कि पुलिस उनकी सुरक्षा का पूरा ख्याल रख रही है। पुलिस के जवान उनके साथ बेटी और बहन की तरह व्यवहार करते हैं। उन्हें बहुत अच्छा लगता है। शबनम के साथ दो अन्य लड़के भी हैं जो शबनम का सोशल अकाउंट देखते हैं।

हिंदू संगठन जगह-जगह कर रहे स्वागत

शबनम शेख के पहुंचने की सूचना जैसे ही संबंधित इलाके की जनता और हिंदू संगठनों को लगती है। लोग उनके स्वागत में पहुंच जाते हैं। जगह-जगह शबनम का फूल मालाओं से स्वागत किया जा रहा है। शबनम का कहना है कि लगता है कि राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में 22 तारीख के बाद ही पहुंच पाऊंगी क्योंकि ठंड बहुत ज्यादा है और रुक-रुक कर पैदल यात्रा करनी पड़ रही है। बताया जाता है कि शबनम की टीम के खाने-पीने की व्यवस्था भी पुलिस की ओर से ही की जा रही है।

कलेक्टर का स्कूलों में आकस्मिक निरीक्षण

माही की गूंज, झाबुआ।

कलेक्टर सुश्री तन्वी हुड्डा द्वारा बुधवार को पीएम श्री शासकीय कन्या उच्च. मा. विद्यालय मेघनगर एवं एकीकृत शासकीय हाई स्कूल अगराल, शासकीय उच्च. मा. स्कूल नोगांवा का आकस्मिक निरीक्षण किया तथा बोर्ड की कक्षाओं के छात्र-छात्राओं से चर्चा कर आगामी वार्षिक परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करने हेतु उनका उत्साहवर्धन किया। साथ ही आगमी वार्षिक परीक्षा की तैयारी को लेकर चर्चा की। कक्षाओ में पहुच कर छात्रों की संख्या की जानकारी ली। बच्चो के पास-फेल की जानकारी भी ली। कलेक्टर ने कहा की अंग्रेजी में निबंध एवं एप्लीकेशन अवश्य याद करके जाएं। उन्होंने बोर्ड पर छात्रा से एप्लीकेशन लिखवाई साथ ही अन्य छात्राओं द्वारा कॉपी में लिखी गई एप्लीकेशन को भी चेक किया। उन्होंने छात्रों से कहा की आप अगली कक्षा में अपनी रुचि के अनुरूप ऐसे विषय को चुने जिससे भविष्य में आपके काम आ सके।

डूबने से मृत्यु होने पर दी आर्थिक सहायता

माही की गूंज, झाबुआ।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघनगर के आदेशानुसार मृतक मोहन पिता रूपा भाबर निवासी ग्राम छायन तहसील मेघनगर की 20 नवम्बर 2023 को बोरकुण्डिया तालाब में डुबने से मृत्यु हो जाने पर मृतक के वारिसाना उसकी माता बिजलीबाई पति रूपा भाबर, मृतक राकेश पिता मंगलिया सिंगादिया निवासी ग्राम देवीगढ़ तहसील मेघनगर की 28 नवम्बर 2023 को पद्मावती नदी मे डूबने से मृत्यु होने पर मृतक के वारिसना उनके पुत्र विजेश, अमित, पुत्री राधा, दिव्या, एवं पत्नी प्रमिला, सविता को राजस्व पुस्तक परिपत्र 6(4) की कण्डिका पाँच के प्रावधानों के तहत् चार-चार लाख रुपए की आर्थिक अनुदान सहायता राशि स्वीकृत की गई।

संपादकीय

गरीबी से जंग और विकास संबंधी बहस

नीति आयोग द्वारा इस सप्ताह जारी एक और चर्चा पत्र के अनुसार बीते नौ वर्षों में करीब 24.82 करोड़ भारतीय बहुआयामी गरीबी से बाहर निकलने में कामयाब रहे। नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद और वरिष्ठ सलाहकार योगेश सूरी द्वारा संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम तथा ऑक्सफर्ड नीति एवं मानव विकास पहल की मदद से तैयार की गई इस रिपोर्ट का इरादा यह दिखाना है कि बीते नौ वर्षों में विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों ने बहुआयामी गरीबी पर क्या असर डाला।

पत्र लेखकों के व्यक्तिगत विचारों को दर्शाता है और इसमें पाया गया कि बहुआयामी गरीबी 2013-14 के 29.17 फीसदी से कम होकर 2022-23 में 11.28 फीसदी रह गई। माना जा रहा है कि जल्दी ही यह गरीबी घटकर एक अंक में रह जाएगी। ध्यान देने वाली बात है कि ताजा राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-4 (2015-16) और पांच (2019-20) पर आधारित है। चूंकि उपयुक्त प्रासंगिक अवधि के लिए आंकड़े अनुपलब्ध थे इसलिए अध्ययन में उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर ही आकलन किया गया।

बहुआयामी गरीबी सूचकांक को पारंपरिक मानकों की तुलना में बेहतर संकेतक माना जाता है। उदाहरण के लिए आय के अनुमान हासिल करना मुश्किल है। इसी प्रकार खपत सर्वेक्षण गरीबी और बेहतरी के स्तर का आकलन करने के लिहाज से अपर्याप्त पाए गए हैं। इसके अलावा संभव है ये तरीके नीतिगत हस्तक्षेप के असर को पूरी तरह से आकलित न कर पाते हों। वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक तीन व्यापक क्षेत्रों में 10 संकेतकों को शामिल करता है। ये हैं शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन स्तर। वैश्विक संकेतकों के अलावा भारतीय संस्करण में मातृत्व स्वास्थ्य और बैंक खाते भी शामिल हैं। निश्चित तौर पर बहुआयामी गरीबी सूचकांक जहां एक व्यापक तस्वीर पेश करता है वहीं आय और व्यय के आंकड़ों की जरूरत की भी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए।

गरीबी के भिन्न-भिन्न पहलुओं पर केंद्रित पर नजर डालते और अधिक आंकड़ों की मदद से बेहतर तस्वीर और बेहतर सूचित नीति निर्माण प्राप्त किया जा सकता है। 2017-18 में हुए अंतिम उपभोक्ता व्यय सर्वेक्षण को सरकार ने यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि उसके आंकड़े गुणवत्तापूर्ण नहीं हैं। बीते कुछ दशकों में उच्च आय वृद्धि और नीतिगत हस्तक्षेप की मदद से गरीबी में काफी कमी आई।

जैसा कि इस पत्र में कहा गया है बहुआयामी गरीबी के शिकार लोगों की तादाद 2005-06 के बाद के 15 वर्षों में 40.38 फीसदी कम हुआ है। गरीबी की तीव्रता में भी काफी कमी आई है। गरीबी में कमी उत्सव मनाने लायक बात है लेकिन भारत को अभी भी इस क्षेत्र में लंबा सफर तय करना है। ऐसे में नीतिगत प्रयास इस बात पर केंद्रित होने चाहिए कि कैसे दीर्घावधि में टिकाऊ आर्थिक वृद्धि हासिल की जाए। भारत को अभी भी निम्न-मध्य आय वाला देश माना जाता है। प्रति व्यक्ति आय में सतत उच्च वृद्धि से ज्यादा तादाद में लोग गरीबी से उबरेंगे और उनके जीवन में बेहतरी आएगी।

इसके अलावा राज्य स्तर के आंकड़े गहरी असमानता दिखाते हैं। देश के विकास की प्रक्रिया में कुछ राज्य बहुत पीछे छूट गए हैं। ऐसे क्षेत्रों में अधिक नीतिगत ध्यान देने की आवश्यकता होगी ताकि संतुलित और समावेशी विकास हासिल किया जा सके। इसके अलावा सुधार दिखाने वाले मानकों पर भी और काम करने की आवश्यकता होगी। उदाहरण के लिए शिक्षा के स्तर पर स्कूली शिक्षा वाले वर्षों को शामिल किया जाता है।

बहरहाल, यह बात सभी जानते हैं कि देश में शिक्षण से हासिल नतीजे वांछित स्तर से बहुत कम हैं। ऐसे में नीतिगत हस्तक्षेप के तहत सुधार के अगले स्तर पर ध्यान देना होगा। इस दौरान सरकारी व्यय को नए सिरे से निर्धारित करना होगा। उदाहरण के लिए अगर बहुआयामी गरीबी में करीब 11 फीसदी की कमी आई है तो क्या सरकार को देश की बहुसंख्यक आबादी को निःशुल्क खाना देने पर विचार करना चाहिए...?

इसी प्रकार क्या नकदी हस्तांतरण आगे बढ़ने का मार्ग है या फिर क्या राज्य के संसाधनों का इस्तेमाल विकास में आई कमी को दूर करने के लिए किया जाना चाहिए, मसलन शिक्षा का स्तर सुधारने के लिए...? ऐसे कई नीतिगत प्रश्न हैं जिन पर बहस की जरूरत होगी।

जीवन संवारने का माध्यम ही बना रहे धर्म

विश्वनाथ सचदेव

अब राहुल गांधी पूर्व से पश्चिम की यात्रा पर हैं। उनकी पिछली यात्रा 'भारत जोड़ो यात्रा' के नाम से हुई थी। उस यात्रा के परिणामस्वरूप भारत कितना जुड़ा इसका कोई आकलन अभी हुआ नहीं है। हां, इस यात्रा से राहुल गांधी की छवि अवश्य कुछ सुधरी है। हो सकता है अब पूरब-पश्चिम वाली 'भारत जोड़ो न्याय-यात्रा' से उनकी छवि कुछ और सुधरे। अभी तो शुरुआत है, आगे-आगे देखिए होता है क्या। लेकिन इतना तो अवश्य कहा जा सकता है कि इस दूसरी यात्रा का कदम आगे बढ़ाने में कांग्रेस से कुछ देरी अवश्य हो गयी है। पिछली यात्रा वाला जोश और उसे तब मिला प्रतिसाद अब दिखेगा या नहीं पता नहीं।

इस तरह की यात्राओं को नाम कुछ भी दिया जाये, उनके राजनीतिक उद्देश्य को नकारा नहीं जा सकता। लगभग तीन दशक पहले लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने एक रथ-यात्रा प्रारंभ की थी। उस यात्रा का घोषित उद्देश्य अयोध्या में 'भव्य-दिव्य राममंदिर' की स्थापना कहा गया था। आज वह मंदिर बन चुका है। लेकिन क्या यही उद्देश्य था उस यात्रा का? इन तीन दशकों में देश की राजनीति में भाजपा का जो स्थान बना है, उसमें लालकृष्ण आडवाणी की रथ-यात्रा के योगदान को नकारना देश की राजनीति और देश के 'मूड' को न समझना ही होगा। यह बात भी किसी से छिपी नहीं है कि तब अयोध्या के राम-मंदिर को राजनीति से जोड़ने की बात भाजपा के नेतृत्व ने छिपाने की कोशिश भी नहीं की थी। अयोध्या में भव्य राम मंदिर की स्थापना इस देश की आस्था से जुड़ी है। देश की अस्सी प्रतिशत आबादी के आराध्य हैं श्रीराम। राम मंदिर का निर्माण इस आबादी के विश्वासों-निष्ठाओं की एक अभिव्यक्ति भी है। लेकिन इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि अयोध्या में आज जो कुछ हो रहा है, उसका राजनीतिक लाभ भी संबंधित पक्षों को मिलेगा। ऐसा नहीं है कि कांग्रेस इस बात को समझती नहीं थी, पर उसे समझकर आवश्यक कदम उठाने में वह विफल हो गयी है। बेहतर होता कांग्रेस राम मंदिर के न्यासियों का निमंत्रण स्वीकार करती, समारोह में जाती और साथ ही इस मामले के राजनीतीकरण का विरोध भी करती। इस राजनीतीकरण की आलोचना वह अवश्य कर रही है, पर इसका राजनीतिक लाभ उठाने वालों के इरादों को पूरा न होने देने के लिए जिस राजनीतिक चतुराई की आवश्यकता अपेक्षित है, देश की सबसे पुरानी पार्टी में इसका अभाव स्पष्ट दिख रहा है। राहुल गांधी की पूर्व-पश्चिम वाली यात्रा में विलंब और जोश में कमी भी इस अभाव को प्रदर्शित करती है।

हमने अपने संविधान में पंथ-निरपेक्षता को एक आदर्श के रूप में स्वीकारा है। इसका अर्थ अधार्मिक होना नहीं, सब धर्मों को समान सम्मान देना है। एक तरफ धर्म-निरपेक्षता हमारा आदर्श है तो दूसरी और सर्वधर्म समभाव भी। हमारा राष्ट्रपति, हमारा प्रधानमंत्री, हमारे राजनेता, हिंदू, मुसलमान, ईसाई, बौद्ध आदि धर्मों में विश्वास करने वाले हो सकते हैं, पर हमारे शासन का कोई धर्म नहीं है, शासन की दृष्टि में सब धर्म समान हैं। समान होने चाहिए। धर्म को राजनीति का हथियार बनाने का मतलब सांप्रदायिकता को बढ़ावा देना है, और सांप्रदायिकता हमारी मनुष्यता को भी चुनौती है।

अयोध्या में भगवान राम के भव्य-दिव्य मंदिर के निर्माण का देश की जनता ने स्वागत ही किया है। इस संदर्भ में कुछ मुद्दों पर मतभेद हो सकते हैं, पर आज जो वातावरण देश में बना है वह सकारात्मक ही दिख रहा है। ज़रूरी है कि सकारात्मकता को बनाये रखा जाये। धर्म की राजनीति करने वालों को इस बात को समझना होगा कि सारे मतभेदों के बावजूद अयोध्या में रहने वाले मुसलमान मंदिर के निर्माण कार्य से भी जुड़े रहे हैं और मंदिरों के लिए आवश्यक वस्तुओं की व्यवस्था में भी योगदान देते रहे हैं। इस बात को नहीं भुलाया जाना चाहिए पूजा के फूल हो या मूर्तियों को पहनाये जाने वाले वस्त्र, इनका माध्यम भी मुख्यतः वहां के मुसलमान ही रहे हैं। यही नहीं देश में अनेक स्थानों पर मंदिर निर्माण के लिए एकत्र किए जाने वाले कोष में भी मुसलमानों ने योगदान दिया है। महत्वपूर्ण यह नहीं है कि कितना दिया गया, महत्वपूर्ण यह है कि योगदान किया गया। आपसी सहयोग की यह भावना बनी रहे इसके लिए ज़रूरी है कि अब मंदिर-निर्माण का राजनीतिक लाभ उठाने की कोई कोशिश न हो। धर्म के नाम पर देश के मतदाताओं को बांटा न जाये।

यह बात कहना आसान है और ऐसी अपेक्षा करना भी ग़लत नहीं है। पर हक़ीकत यह भी है कि आज हमारी राजनीति में ऐसे तत्व हैं जिनके लिए धर्म आस्था का नहीं, वोट जुटाने का माध्यम है। इन तत्वों से सावधान रहने की आवश्यकता है, और इन्हें असफल बनाने की ईमानदारी कोशिश करने की भी। धर्म हमारे सोच, हमारे जीवन को संबल देने के लिए है, राजनीतिक नफे-नुकसान का हिसाब-किताब करने के लिए नहीं। शायद इसी संदर्भ में यह कहा गया था कि देश के प्रधानमंत्री मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा जैसे आयोजन से न जुड़ें तो बेहतर रहता। इस संदर्भ में एक और सुझाव भी आया है। अयोध्या में मस्जिद-निर्माण से जुड़े कुछ लोगों का प्रस्ताव है कि देश के प्रधानमंत्री यदि मस्जिद के शिलान्यास-कार्य से भी जुड़ें तो इसके दूरगामी संकेत होंगे-स्वागत योग्य संकेत।

यदि ऐसा होता तो यह राष्ट्र की एकता और समाज में स्वस्थ और सकारात्मक वातावरण के लिए एक ठोस कार्य सिद्ध हो सकता है।

सिर्फ भारत-जोड़ो कहने से बात नहीं बनेगी, भारत की एकता को मज़बूत बनाने और बनाये रखने के लिए राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्र-हित के बारे में सोचना होगा। बात चाहे राहुल गांधी की यात्रा की हो या फिर प्रधानमंत्री के जगह-जगह जाकर राष्ट्र की एकता की दुहाई देने की, ज़रूरी यह है कि हमारी राजनीति अपने स्वार्थ के लिए धर्म की बैसाखी की मोहताज न हो। सच तो यह है कि धर्म को राजनीति से जोड़ने की कोशिश ही अपने आप में ग़लत है। धर्म जीवन को संवारने का माध्यम है इसे सत्ता की राजनीति से जोड़ना अपने आप में एक पाप है, एक अपराध है। रुकनी चाहिए यह प्रक्रिया। अपराध की सज़ा मिलनी चाहिए और पाप का प्रायश्चित होना चाहिए। अपनी-अपनी आस्था के नाम पर राजनीतिक स्वार्थों की सिद्धि का समर्थन नहीं किया जा सकता। नहीं किया जाना चाहिए।

बात की बात और पेट पर लात

आलोक पुराणिक

साहबो धंधे पर लात, पेट पर लात बहुत डेंजरस होती है। सचमुच की लात तो क्या, लात की आशंका तक डरा देती है। मालदीव के कुछ नेता डर गये, इस आशंका से कि भारत के लक्षदीप पर टूरिस्ट आने लगे, तो मालदीव का क्या होगा। फिर मालदीप के नेताओं ने गाली-गलौज शुरू की, फिर फुल फाइट शुरू हो गयी।

धंधे पर लात सचमुच में पड़े या नहीं, आशंका से ही इतनी टेंशन पैदा हो सकती है। अपने-अपने धंधे को बचाना चाहिए। पर दूसरे से न लड़ना चाहिए। अपना धंधा बेहतर करना चाहिए, अपनी सर्विस बेहतर करनी चाहिए। कस्टमर बेहतर सर्विस, बेहतर प्रोडक्ट की तरफ जाता है। कंपीटिटर से क्या लड़ना, अपना आइटम बेहतर करो।

लक्षदीप अपने साथ कई दोस्तों को ले आया, फिर मालदीव की तुड़ाई की। लक्षदीप के साथ बहुत दोस्त बहुत जल्दी आ गये। लक्षदीप के साथ वो दोस्त भी आ गये, जिन्हें उसने बुलाया भी न था। मालदीव ने चीन के अपने दोस्तों को बुलाया, वो दोस्त न आये। लक्षदीप अकेले ही काफी था। इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि औकात से ज्यादा न उछलना चाहिए, अगर वजन पचास किलो हो, तो एक सौ पचास किलो वाले पहलवान से न भिड़ना चाहिए।

दूसरी शिक्षा यह मिलती है कि दोस्तों के बूते दूसरों से पंगे नहीं लेने चाहिए। अपना बूता हो, तब ही लड़ना-भिड़ना चाहिए। तीसरी शिक्षा यह मिलती है कि बकवास कम करनी चाहिए और सोशल मीडिया पर बकवास तो बिलकुल ही नहीं करनी चाहिए। बात मालदीव के बर्खास्त बेरोजगार मंत्रियों से सीखी जानी चाहिए। रोजगार की रक्षा कैसे की जाये, उसे बढ़ाया कैसे जाये, यह सीखना चाहिए शाहरुख खान से। शाहरुख बहुत-बहुत कामयाब फिल्म स्टार हैं, फिर भी काम की तलाश में रहते हैं।

शाहरुख खान ने हाल में एक कार्यक्रम में कहा कि अगर मणिरत्नम उन्हें अपनी फिल्म में काम दें, तो वह प्लेन के ऊपर छैंया-छैंया डांस करने को तैयार हैं। मणिरत्नम की एक फिल्म दिल से में शाहरुख ने रेलगाड़ी के ऊपर छैंया-छैंया डांस किया था। अब शाहरुख खान प्लेन पर छैंया-छैंया करने के तैयार हैं। यानी करीब पच्चीस सालों में चेंज हो गया। जो बंदा रेल के ऊपर डांस करता था, वह अब प्लेन के लेवल का हो गया है।

संबित पात्रा कह सकते हैं कि यह मोदीजी के नेतृत्व में हुआ है। कांग्रेस प्रवक्ता कह सकते हैं कि वह रेलगाड़ी भी नेहरूजी के जमाने में बनना शुरू हो गयी थी और प्लेन भी नेहरूजी के जमाने में बनना शुरू हुए थे। रोजगार मिलने चाहिए चाहे नेहरूजी के जमाने से मिलना शुरू हुए हैं या मोदी के जमाने से मिल रहे हैं।

बहरहाल, रोजगार की भूख सबकी वैसे ही हो, जैसी भूख शाहरुख खान में है।

वैज्ञानिक सोच के लिए जरूरी विज्ञान कांग्रेस

आमतौर पर जनवरी माह का पहला सप्ताह भारतीय वैज्ञानिक समुदाय के लिए महत्वपूर्ण समय होता है। यह वह वक्त है जब विशाल सालाना आयोजन द् भारतीय विज्ञान कांग्रेस (आईएससी) का अधिवेशन होता है। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री करते हैं और देशभर से आये हजारों वैज्ञानिक एवं विद्यार्थी इसमें भाग लेते हैं। लेकिन जनवरी, 2024 अलग रहा। जब न केवल जालंधर के पास स्थित एक यूनिवर्सिटी ने आखिरी वक्त पर इसकी मेजबानी करने से हाथ खींच लिए और वजह बताई 'अनदेखी चुनौती' बल्कि आयोजन के लिए धन मुहैया करवाने वाली केंद्र सरकार ने भी। इससे मजबूरन भारतीय विज्ञान कांग्रेस संगठन ने अब यह आयोजन रद्द कर दिया।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस एक नायाब मंच है। जहां अन्य वैज्ञानिक सम्मेलन किसी विशेष विषय के दायरे में होते हैं, जिनमें चुनींदा शीर्ष वैज्ञानिक भाग लेते हैं, वहीं आईएससी अधिवेशन बहु-विषयक है और इसमें भाग लेने का मौका तमाम नियमित विज्ञान विद्यार्थियों एवं शोधकर्ताओं के लिए खुला होता है। यह विज्ञान नीति निर्धारकों के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों पर विमर्श करने और सरकार को सुझाव देने का मंच रहा है। इस प्रकार के सुझाव नीतियों को स्वरूप देने में मददगार रहे, यहां तक कि नए सरकारी विभागों का सृजन भी संभव हुआ, मसलन, पर्यावरण विभाग, जिसने आगे चलकर मंत्रालय का स्वरूप लिया, और सागर विभाग जो वर्तमान में पृथ्वी विज्ञान के नाम से जाना जाता है। सबसे ऊपर, आईएससी विज्ञान संचार एवं वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के अतिरिक्त जिज्ञासा की ललक को बढ़ाने का काम करती रही।

1914 में अपनी स्थापना के साथ, आईएससी के वार्षिक अधिवेशन कोविड महामारी से बनी रुकावट के दौर के अलावा, बिना नागा होते रहे। विज्ञान कांग्रेस की गाथा और भारत में आधुनिक विज्ञान की उन्नति आपस में गुंथी रही है। आईएससीए की स्थापना भारत में कार्यरत दो ब्रिटिश शिक्षाविदों द् कैनिंग कॉलेज, लखनऊ के प्रो. पीएस मैकमोहन और प्रेसिडेंसी कॉलेज, मद्रास के प्रो. जेएल साईमनसन का मूल विचार था। इसकी प्रेरणा उन्हें ब्रिटिश एसोसिएशन ऑफ एडवांसमेंट ऑफ साइंस से मिली। उद्देश्य था, जो लोग विशुद्ध एवं कार्यकारी विज्ञान में रुचि लेते हों, उन्हें साझा मंच प्रदान करना और समाज के साथ विज्ञान का राब्ता बनाना। यह पहला ऐसा मंच था जहां गणित, खगोलशास्त्र, भौतिकी, रसायन शास्त्र, भू-विज्ञान और जीव-विज्ञान से जुड़े लोग आपस में मिलते और नवीन विचारों का आदान-प्रदान करते। इस प्रकार की बैठकों को ध्यान में रखकर, सालों तक, नये वैज्ञानिक समाज और व्यावसायिक संस्थानों का उद्भव हुआ- नतीजा रहा समरस भारतीय वैज्ञानिक समुदाय।

राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस के कुछ आलोचक कहते हैं कि यह मंच अपनी प्रासंगिकता गंवा चुका है और अभी भी सदी पुरानी रिवायत और प्रारूप में जकड़ा हुआ है। हालांकि इस प्रकार की धारणा सही नहीं है और यह आईएससी के उस क्रमिक विकास को झुठलाना है, जिसने भारत में विज्ञान की उन्नति के विभिन्न चरणों के साथ अपनी गति बनाए रखी। पहला चरण था 1914-1947 का, जब भारतीय साइंसदानों और भारत में स्वरूप ले रहे विश्वविद्यालयों एवं प्रयोगशालाओं में कार्यरत यूरोपियन वैज्ञानिकों के बीच विचारों का आपसी आदान-प्रदान काफी रहा। आईएससी अधिवेशनों में प्रस्तुत सभी खोज-पत्रों की प्रतिद्वंद्वी-मीमांसा होती, जिससे वैज्ञानिक कार्य का आलोचनात्मक मूल्यांकन करने और इसे अंतर्राष्ट्रीय मान्यता देने के सिद्धांत का उद्भव हुआ। भारत में वैज्ञानिक पत्रिकाओं का प्रकाशन भी आईएससी का एक उप-उत्पाद है। मेघनाद साहा द्वारा स्थापित 'साइंस एंड कल्चर' पत्रिका इसका एक प्रमुख उदाहरण है।

1930 के दशक के आखिर में, जब स्वतंत्रता आंदोलन गति पकड़ने लगा और राष्ट्रीय नेतृत्व ने भावी भारत को लेकर योजनाओं की रूपरेखा बनानी शुरू की, तो तीव्र औद्योगिकीकरण एवं सामाजिक दायित्व के जरिये राष्ट्रीय विकास के लिए नूतन विचारों के लिए आईएससी एक सार्थक मंच बना। यह 1937 का अधिवेशन था जब जवाहरलाल नेहरू ने अपने संबोधन में ये कालजयी पंक्तियां कहीं 'विज्ञान युग की आत्मा है और आधुनिक संसार का सिरमौर अवयव। भविष्य विज्ञान का है और उनका, जो विज्ञान से दोस्ती रखना चाहेंगे और समाज की तरक्की के लिए इसकी मदद लेना चाहेंगे'। वे 1947 में आईएससी के जनरल प्रसिडेंट बने और 1964 में अपने देहांत तक प्रत्येक सालाना अधिवेशन को संबोधित करते रहे। इसके बाद से, वैज्ञानिक समुदाय और आईएससी में अपना संबोधन देना सत्तासीन प्रधानमंत्री के लिए एक रिवायत बन गई और उन्होंने इस अवसर का इस्तेमाल अक्सर महत्वपूर्ण नीतिगत घोषणाओं के लिए किया।

आजादी उपरांत जैसे-जैसे राष्ट्रीय प्रयोगशालाएं और अनुसंधान परिषदें स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू हुई, आईएससी भी नए चरण में दाखिल हुई। वैज्ञानिक अनुसंधान का मंच बने रहने के अलावा यह योजनाओं, खाद्य संकट और स्वास्थ्य विकास जैसे अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श का सम्मेलन रही। समय के साथ, विश्वविद्यालय व्यवस्था से जुड़े अनुसंधानकर्ताओं के अलावा, वे लोग जो राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं और वैज्ञानिक विभागों से संलग्न थे, परिचालन पर उनका दबदबा बनने लगा। अनुशासन-विषयक व्यावसायिक समुदाय विकसित हुए और राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियां अगले कुछ सालों में परिपक्व हुईं, वैज्ञानिक खोज-पत्र आईएससी मंच की बजाय व्यावसायिक संस्थानों की बैठकों में पेश करने की वजह से इसकी चमक कुछ फीकी पड़ने लगी।

वर्तमान में विज्ञान में बनी विविधता, उच्च विशेषज्ञता एवं प्रतिस्पर्धात्मक प्रकृति के चलते, आईएससी के लिए यह मानना अयथार्थवादी होगा कि वह शोधपत्र आदि प्रस्तुत करने के लिए साइंसदानों की पहली पसंद बने। अतएव, पिछले सालों में, वैज्ञानिक समुदाय में बहुतों को महसूस हो रहा है कि आईएससी केवल एक मेला बनकर रह गई है। स्थानीय आयोजकों द्वारा प्रवेश को आसान बनाने की कमजोरी का फायदा उठाकर, आईएससी सत्रों में गैर-वैज्ञानिक तत्वों की घुसपैठ देखने को मिली है।

दिनेश सी. शर्मा

तथापि, बहु-विज्ञान धाराओं में अपने ज्ञान को अन्य से साझा करने के इच्छुक वैज्ञानिक, युवा साइंसदानों एवं उभरते वैज्ञानिकों व अपने समकक्षों से संवाद करने के लिए आईएससी को उपयोगी पाते हैं। प्रमुख अनुसंधान और शिक्षण संस्थानों के अतिरिक्त, भारत में बहुत से विश्वविद्यालय एवं कॉलेज हैं, जहां विज्ञान पढ़ाया जाता है, चूंकि उनके छात्र और अध्यापक चोटी के व्यावसायिक संस्थानों एवं शिक्षा जगत के सदस्य नहीं हैं लिहाजा अपने शोध पत्र की प्रस्तुति और चोटी के वैज्ञानिकों और नीति-निर्धारकों से संवाद के लिए उन्हें आईएससी की जरूरत है। नोबेल पुरस्कार विजेता तक आईएससी सत्रों को संबोधित करते आए हैं और वे प्रतिभागी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा स्रोत व सबसे बड़ा आकर्षण होते हैं।

इन तमाम वजहों के चलते, आईएससी का बने रहना और पुनर्नवीनीकरण किया जाना जरूरी है। कई मर्तबा जब हम सोशल मीडिया के जरिये छद्म-विज्ञान का उद्भव होते देखते हैं, तब हमें आईएससी जैसे और मंचों की जरूरत है ताकि वैज्ञानिक सोच बनाने को बढ़ावा मिले और विज्ञान-विरोधी प्रवृत्तियों का प्रतिरोध हो पाए। केंद्रीय सरकार की भी जवाबदेही बनती है कि क्योंकर विज्ञान एवं तकनीक विभाग ने आईएससी आयोजन को वित्तीय मदद देना बंद कर दिया है।

बड़े महादेव जलाशय के पास मृत अवस्था में मिला तेंदुआ

डॉक्टरी रिपोर्ट में एक से अधिक तेंदूओं के संघर्ष के कारण मृतक तेंदुए की स्वायं की नली क्षतिग्रस्त होने से हुई मौत

माही की गूंज, भानपुरा।
साहिल अगवान

वन परिक्षेत्र भानपुरा के अंतर्गत प्राकृतिक पर्यटन व धार्मिक आस्था के केंद्र बड़ा महादेव मार्ग पर पार्किंग के पास बनी पुलिया के पास झाड़ियां में एक तेंदुआ मृत होने की सूचना पर वन विभाग के बीट प्रभारी एवं वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौके पर पहुंचे। एवं प्रारंभिक जांच पड़ताल के बाद पशु चिकित्सक को मौके पर बुलाया गया एवं परीक्षण कराया गया। यहां से तेंदुआ के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। जैसे ही तेंदुए के मृत पड़े होने की सूचना नगर में फैली बड़ी संख्या में लोग टू व्हीलर फोर व्हीलर से मौके पर पहुंचने लगे। ऐसे में कई लोगों ने मृत तेंदुए के साथ सेल्फी भी ली।

वन परिक्षेत्र अधिकारी भानपुरा अंकित भदोरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि, सोमवार 15 जनवरी को सुबह बड़ा महादेव स्थान मार्ग पार्किंग के पास पुलिया के समीप झाड़ियों में मृत तेंदुआ पड़े होने की सूचना मिलने पर मौके पर वन विभाग की टीम पहुंची। एवं वन परिक्षेत्र भानपुरा बीट भानपुरा के कक्ष क्रमाक 32 में बड़ा महादेव मार्ग पर पार्किंग के समीप पुलिया के पास झाड़ियां में एक नर तेंदुआ मृत पड़ा हुआ मिला। एवं मौके के समीप मार्ग पर तेंदुआ द्वारा पंजे से खरोच की गई एवं खून न के के निशान पाए गए। तेंदुआ के शव के परीक्षण के लिए मौके पर पशु चिकित्सा अधिकारी भानपुरा बी डी जैन को मौके पर बुलाया गया। मृत तेंदुआ का मौके पर पशु चिकित्सक द्वारा परीक्षण किया गया। साथ ही नाप करने पर मृत तेंदुआ के शव की लंबाई 127 सेंटीमीटर पाई गई। शव के सभी अंग नाखून शरीर पर पाए गए। शव पर जगह-जगह पर संघर्ष के निशान पाए गए। शव का प्राथमिक परीक्षण के बाद पोस्टमार्टम के लिए तेंदुए के शव को शासकीय पशु चिकित्सालय भानपुरा लाया गया। इस दौरान एसडीओ फॉरेस्ट गरोठ सरोज रोज भी वन विभाग कार्यालय भानपुरा पहुंची। एवं उनके निर्देश पर अन्य कार्यवाहियां संपादित की गई। पोस्टमार्टम के बाद मृत तेंदुए के शव का दाह संस्कार कर दिया गया। भानपुरा शासकीय पशु चिकित्सा अधिकारी बी डी जैन न पोस्टमार्टम के बाद बताया कि मृत तेंदुआ करीब साढ़े चार वर्ष का है। आपसी संघर्ष में तेंदुए। की मौत हुई है। मृत तेंदुए के गले में गहरे दांत गड़े हुए थे एवं ब्लड निकल रहा था। पथर की गर्दन में श्वास नली में गहरे दांत गड़े ने से ब्लड निकलने से ब्लड श्वास नली से फेफड़ों तक ब्लड पहुंचने से दम घुटने से तेंदुए की मौत हो गई। मृत तेंदुए के सभी अंग सुरक्षित है। बड़ा महादेव मार्ग पर तेंदुआ मृत पड़ा होने की सूचना पर नगर से बड़ी संख्या में लोग मौका पर पहुंच गए इससे यहां भारी भीड़ जमा हो गई।

बैंक के बाहर से दो लाख रुपए से भरा बैग चोरी कर भागे बदमाश

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले में सेंट्रल बैंक के बाहर से दिनदहाड़े अज्ञात बदमाश गाड़ी पर टंगा हुआ दो लाख रुपए से भरा बैग चुरा ले गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और बैंक सहित आसपास के सीसीटीवी फुटेज चेक किए, जिसमें संदिग्ध व्यक्ति बैग चोरी कर जाते हुए नजर आ रहे हैं। पुलिस आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

मंदसौर शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के नई आबादी महू-नीमच मार्ग स्थित सेंट्रल बैंक पर दोपहर करीब एक बजे रुपए निकालने के लिए सिद्धचक्र विहार कालोनी मंदसौर निवासी चंद्रोदय अग्रवाल पहुंचे। अग्रवाल बैंक से खोले में रुपये लेकर बाहर निकले और दो लाख रुपए से भरा झोला अपने वाहन के हैंडल पर टांग दिया। इस दौरान उनके पास किसी का फोन आया तो वे मोबाइल पर बात करने में व्यस्त हो गए। इसी दौरान दो अज्ञात बदमाश उनकी गाड़ी पर टंगा बैग चुराकर मोटरसाइकिल से फरार हो गए।

सूचना पर सीएसपी सतनाम सिंह, शहर कोतवाली थाना टीआई किशोर पाटनवाला सहित पुलिस टीम मौके पर पहुंची और बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले। साथ ही आसपास के सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले, जिसमें दो संदिग्ध व्यक्ति बैग चोरी कर बाइक से जाते हुए नजर आ रहे हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है।

निजी कंपनी के लिए रुपए निकालने आए थे अग्रवाल

फरियादी चंद्रोदय अग्रवाल ने बताया कि, वे एक निजी कंपनी में काम करते हैं। उसी के लिए बैंक से रुपये निकालने आए थे। जब वे बैंक से दो लाख रुपए लेकर झोले में डालकर निकले और झोला अपने वाहन के हैंडल पर टांगा। इसी दौरान किसी का फोन आ गया और वे फोन पर बात करने लगे। जब बात करने के बाद देखा तो दो लाख रुपए से भरा बैग गायब था।

मंदसौर शहर कोतवाली थाना टीआई किशोर पाटनवाला ने बताया कि, सीसीटीवी कैमरे में दो संदिग्ध व्यक्ति बैग चोरी कर बाइक से जाते हुए दिखे हैं। पुलिस टीम आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास में लगी है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

शिवना तट पर होगा लैसर शो, 51 हजार दीपों से जगमग होगा तट

माही की गूंज, मंदसौर।

अयोध्या में जब 22 जनवरी को प्रभु श्री राम पधारेंगे तो इस उल्लास का उत्सव राजाधिराज भगवान पशुपतिनाथ की नगरी मंदसौर में भी मनाया जाएगा। पावन-पवित्र शिवना मैया के तट पर विराजित वसीठा धोबी समाज द्वारा प्रतिष्ठित श्री राम मंदिर मे गनेड़ीवाल चैरिटेबल ट्रस्ट तथा श्री राम दीपोत्सव समित के माध्यम से भव्य उत्सव मनेगा जिसमें शिवना मैया के तट पर 51 हजार दीपों की रोशनी से जगमग होगा तथा भगवान श्री राम के जीवन पर आधारित लेजर शो तथा डिजिटल आतिशबाजी होगी और प्रसादी का वितरण किया जाऐगा।

इस भव्य उत्सव की तैयारियों को लेकर एक अनौपचारिक चर्चा हुई जिसमें राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के विभाग प्रचारक अरूण जैन, जिला संघ चालक दशरथसिंह झाला का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ,पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसोदिया, कलेक्टर दिलीप कुमार यादव और पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया ने भी अपने विचार रखें।

पशुपतिनाथ मंदिर के निकट स्थित श्रीराम मंदिर पर गनेड़ीवाल चैरिटेबल ट्रस्ट तथा श्रीराम दीपोत्सव समिति के माध्यम से भव्य उत्सव मनाया जाएगा। इस भव्य आयोजन को लेकर एक अनौपचारिक बैठक हुई जिसमें आयोजन की व्यापक तैयारियों पर चर्चा की गई। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रदीप गनेडीवाल ने बताया कि, भगवान श्रीराम के आगमन उत्सव को मंदसौर में भव्य रूप से मनाऐ जाने के लिए 22 जनवरी की संध्या को भगवान श्री पशुपतिनाथ मंदिर के समीप स्थित वसीठा धोबी समाज द्वारा प्रतिष्ठित श्रीराम मंदिर में प्रभु श्रीराम की भव्य महाआरती ढोल-नगाड़ों और जयकारो के साथ की जाएगी तथा शिवना नदी के तीनो घाटो पर एक साथ 51 हजार दीप एक साथ जगमग होंगे। भगवान श्री राम के जीवन पर आधारित 14 मिनिट का लेसर शो होगा जिसें बैंगलोर में तैयार किया जा रहा है, ढाई मिनिट की डिजिटल आतिशबाजी होगी इसके साथ ही भव्य आतिशबाजी भी होगी और इसके साथ ही प्रसादी का वितरण भी किया जाएगा। आयोजन को सुचारू बनाऐ जाने के लिए स्थल निरीक्षण भी कर लिया गया है।

इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल में क्षेत्र के शिक्षक पाटीदार व कसेरा करेंगे नवाचार का प्रदर्शन

माही की गूंज, शुजालपुर।

देश में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष देश के भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल (आईआईएसएफ) वार्षिक उत्सव का आयोजन भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा विज्ञान भारती के सहयोग से किया जाता है। यह देश का सबसे बड़ा विज्ञान मेला बन चुका है जिसमें आमजन के समक्ष वैज्ञानिकों, शिक्षकों, छात्रों, शोधकर्ताओं, उद्योग विशेषज्ञों, उद्यमियों और वैज्ञानिक संचारकों के द्वारा विज्ञान के क्षेत्र में किए गए नवाचारों को प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

इस वर्ष की 17-20 जनवरी को टीएचएसटीआई-आरसीबी कैंपस, फरीदाबाद, हरियाणा में 9वें इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल (आईआईएसएफ) 2023 होने जा रहा है। आईआईएसएफ में विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर आधारित 17 प्रोग्रामों होते है, जिसमें देशभर में विज्ञान के क्षेत्र में असाधारण कार्य करने वाले केवल चयनित किए गए ही व्यक्तियों को ही भाग लेने का मौका मिलता है। इस वर्ष के आईआईएसएफ में मालवा क्षेत्र के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय शाजापुर के राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक ओमप्रकाश पाटीदार और इनोवेशन वर्कशॉप नलखेड़ा के विज्ञान शिक्षक शैलेंद्र कसेरा को साइंस थ्रू गेम एंड टॉयज कार्यक्रम में स्कूली बच्चों में विज्ञान शिक्षा के प्रसार के लिए किए गए नवाचारों को खिलौनों के रूप प्रस्तुत करने और राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षक वर्कशॉप में सम्मिलित होने के लिए आमन्त्रित किया गया है। दोनों शिक्षक इस से पूर्व भी आईआईएसएफ के आयोजन में आमंत्रित किए जा चुके है। शाजापुर के श्री ओम प्रकाश पाटीदार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए गए नवाचारी कार्यों के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार सहित कई सम्मान प्राप्त कर चुके हैं। इनके द्वारा अपने क्षेत्र की जैव विविधता को सूचीबद्ध कर लोक जैव विविधता पंजी भी बनाई गई है। आगर-मालवा जिले के नलखेड़ा के शिक्षक शैलेंद्र कसेरा क्षेत्र में इनोवेशन वर्कशॉप संस्था के माध्यम से बच्चों में वैज्ञानिक जागरूकता और इनोवेशन

को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रहे है जिनके मार्गदर्शन में 3 छात्र अपने आविष्कार का पेटेंट प्राप्त कर चूके है और 2 विद्यार्थियों के द्वारा प्रतिष्ठित इंस्पायर अवार्ड जैसे विज्ञान प्रतियोगिता में राष्ट्रीय पुरस्कार जीत चुके है और 80 से अधिक बच्चे चयनित हो चुके है। जिसके लिए इन्हे शिक्षा मंत्री द्वारा शिक्षक दिवस पर सम्मानित भी किया जा चुका है। साथ ही बेकार सामानों के द्वारा बच्चों को असली विज्ञान सीखने के लिए कई शासकीय और अशासकीय स्कूलों में कार्य करते रहते हैं। आईआईएसएफ के लिए शाजापुर और आगर-मालवा क्षेत्र से केवल दोनों विज्ञान शिक्षकों को विज्ञान शिक्षा में किए गए नवाचारों के परिपेक्ष्य में आमंत्रित किया गया है।

कांग्रेस विधायक ने दलौदा थाने का किया घेराव

माही की गूंज, मंदसौर।

झूठी एफआईआर के विरोध में मंदसौर विधायक विपिन जैन और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को दलौदा थाने का घेराव किया और थाने के सामने धरने पर बैठ गए। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आरोप है की राजनीतिक द्वेषता के चलते थाना प्रभारी ने उनके कांग्रेस कार्यकर्ता अनिल गुर्जर के खिलाफ गाली गलौज करने और जान से मारने की धमकी देने का झूठा प्रकरण दर्ज कर लिया जो पूरी तरह राजनीतिक द्वेषता है।

वहीं थाना घेराव की खबर के बाद एसडीओपी कीर्ति बघेल भी मौके पर पहुंची। एसडीओपी ने मामले दो दिन में निष्पक्ष जांच करने का आश्वासन दिया है। उधर थाना प्रभारी संजीव सिंह परिहार ने बताया की जिसके लिए विधायक और कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे हैं वह और उसके पिता थाने की गुंडा लिस्ट में शामिल और दोनों के खिलाफ कई प्रकरण दर्ज है। गोलू केथवास नाम के युवक की शिकायत पर प्रकरण दर्ज किया गया है।

मेरे घर के सामने सट्टा चल रहा- विधायक

थाना घेराव के दौरान विधायक विपिन जैन और थाना प्रभारी संजीव सिंह परिहार के बिच नोक झोंक भी हो गई। विधायक जैन ने थाना प्रभारी से कहा कि, मेरे घर के सामने सट्टा चलता है। आपको कई बार अवगत करवाया है फिर ही कोई करवाई नहीं की। आपके थाना क्षेत्र में एमडी जैसी खतरनाक ड्रग बिक रही है।

इस पर थाना प्रभारी ने कहा कि, थाना क्षेत्र में सट्टा पर समय-समय पर कार्यवाही की जाती है अभी भी कही चल रहा है तो कार्यवाही की जायेगी। धरने के दौरान युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष सोमिल नाहटा, विनोद शर्मा, दीपक भंडारी भी विशेष रूप से उपस्थित थे।

सरकार की योजनाओं के लाभ से कोई भी पात्र वंचित न रहे - मंत्री परमार

माही की गूंज, शुजालपुर।

सरकार की योजनाओं से कोई भी पात्र व्यक्ति लाभांवित होने से वंचित न रहे। यह बात प्रदेश के उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार ने शुजालपुर जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम चितौड़ा में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आयोजित शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही। इस अवसर पर कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना, अनुविभागीय अधिकारी सत्येन्द्र प्रसाद सिंह, जनपद पंचायत सीईओ श्रीमती रूषाली पोरस, विजय सिंह बैस, मानसिंह राजपूत, डॉ. विजय खिंची, परसराम धनगर, हेमराज सिंह मेवाड़ा, शिवनारायण सिंह राजपूत, आनंद सिंह मेवाड़ा, रामकिशन, कांतिलाल सेन, स्थानीय सरपंच नाथूलाल जाटव, लोकेन्द्र परमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि मंत्री परमार ने संबोधित करते हुए कहा कि, विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य सरकार की योजनाओं से पात्र व्यक्तियों को लाभांवित करना है, साथ ही हमारा भारत वर्ष-2047 में कैसा हो, इसकी कार्ययोजना बनाना है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं से यदि लोगों के जीवन में बदलाव नहीं होगा तो विकास नहीं माना जायेगा, इसलिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन कर गांव-गांव में लोगों को शासन की योजनाओं से लाभांवित करने का कार्यक्रम दिया है। इसके तहत गांवों में शिविर लगाकर लोगों से आवेदन लिये जा रहे हैं और उन्हें लाभांवित भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं संस्कारयुक्त शिक्षा देने का काम प्रदेश में किया जा रहा है। उन्होंने बच्चों के माता-पिता से आव्हान किया कि वे बेटे को ही नहीं, बेटियों को भी शिक्षित करें। उन्होंने बताया कि प्रत्येक जिले में एक उत्कृष्ट महाविद्यालय बनाने की कार्ययोजना बनाई जा रही है जिसकी क्षमता 20-25 हजार विद्यार्थियों की रहेगी। इन महाविद्यालयो में गरीब के बच्चें भी शिक्षा अर्जित कर सकेंगे। माता पिता को चाहिये कि अपने बच्चों को संस्कारवान बनाएं तथा देश की मिट्टी का कर्ज उतारने का काम करें। उन्होंने कहा कि हमारा देश दुनिया का सर्वश्रेष्ठ देश बनें, जहां विदेशों से भी ज्ञान प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी आएं। इस मौके पर उन्होंने सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने के लिए ग्रामीणजनों से कहा।

22 जनवरी को अयोध्या में हो रहे राम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के संबंध में मंत्री ने कहा कि, गांव के सभी व्यक्ति अपने गांव एवं मंदिरों की साफ-सफाई करें और 22 जनवरी के दिन अपने घरों में दीपक लगाकर रोशनी करें।

इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ मॉ सरस्वती के चित्र पर माल्यर्पण एवं दीप प्रज्वलित तथा कन्यापूजन कर किया। मंत्री परमार ने ग्राम के देवीसिंह कुशवाह का पुष्पहार से स्वागत किया। इस अवसर पर मंत्री परमार ने उपस्थित जनों को विकसित भारत बनाने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम का संचालन देवीसिंह राजपूत ने किया।

जहां ऋषियों ने की थी तपस्या अब पानी में डूबे हुए हैं वे तट

माही की गूंज, बड़वानी।

गुजरात के सरदार सरोवर बांध के बैकवाटर की जद में आए मध्यप्रदेश के बड़वानी जिले में रोहिणी तीर्थ राजघाट सहित अन्य कुछ पुरातन महत्व के ऐसे घाट हैं, जहां पर प्राचीन समय में ऋषि-मुनियों और संतों ने तपस्या की थी। यहां पर कभी मकर संक्रांति पर आस्था के विशेष बड़े मेले लगते थे। ये पुरातन महत्व के तट आज बैकवाटर में डूबे हुए है।

नर्मदा तट पर वर्षों से पूजन और दान पुण्य का सिलसिला

दरअसल मकर संक्रांति पर जिले में नर्मदा तट पर वर्षों से पूजन और दान पुण्य का सिलसिला जारी है। शहर से करीब पांच किमी दूर राजघाट पर पौराणिक रोहिणी तीर्थ स्थल मौजूद है। इस तट का पुराणों में भी विशेष महत्व बताया गया है। इस तीर्थ पर ऋषि-मुनियों ने प्राचीन समय में तप किया था लेकिन आज यह तीर्थ नर्मदा के बैकवाटर में डूबा हुआ है। बैकवाटर की जद में समाए इस तीर्थ स्थल पर कई पौराणिक मंदिर हैं जिनका विस्थापन अब तक नहीं हुआ है। क्षेत्र के समाजसवेवियों ने इन पौराणिक मंदिरों के विस्थापन के साथ ही इस तीर्थ स्थल को विशेष रूप से संरक्षित करने की मांग की है।

जलस्तर के कारण पूरा राजघाट क्षेत्र टापू बना

राजघाट क्षेत्र के लोगों के अनुसार बांध के बढ़े हुए जलस्तर के कारण पूरा राजघाट क्षेत्र टापू बना हुआ है। राजघाट में करीब 112 वर्ष पुराना श्रीदत्त मंदिर, धर्मशाला, शिव मंदिर, हनुमान मंदिर आदि स्थल मौजूद है। 1934 में इंदौर के वकील ठाकुर रामप्रतापसिंह ने पत्नी पार्वतीदेवी के नाम से धर्मशाला बनवाई थी। 25 वर्ष से नर्मदा सेवा ट्रस्ट व नर्मदा भक्तों द्वारा धर्मशाला का निःशुल्क संचालक कर परिक्रमावासियों को रात में विश्राम व भोजन व्यवस्था दी जा रही है। वहीं 1923 में राजघाट पर ऋणमुक्तेश्वर महादेव मंदिर का निर्माण हुआ था। करीब पांच वर्ष पहले 2017 में ही धार्मिक स्थलों व धर्मशाला का विस्थापन हो जाना था लेकिन अभी तक विस्थापन नहीं हुआ है।

प्रस्ताव बनाकर देगी समिति

रोहिणी तीर्थ राजघाट एवं नर्मदा राजघाट निर्माण समिति के पंडित सचिन शुक्ला, संजय पुरोहित, मनीष पुरोहित एवं अजयसिंह ठाकुर के अनुसार तट के प्राचीन ऐतिहासिक मंदिरों व धरोहरों के विस्थापन को लेकर गत दिनों हुई बैठक के अनुसार प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा जाएगा। शासन प्रशासन से इस प्रस्ताव पर शीघ्र ही कार्रवाई की मांग की जाएगी।

नर्मदा परिक्रमा और तप स्थली के रूप में प्रसिद्ध रोहिणी तीर्थ

पंडित सचिन शुक्ला के अनुसार रोहिणी तट राजघाट का विशेष महत्व है। ऐसी किवदंती है कि, रोहिणी तट पर ऋषि मुनियों ने तप किया है। नर्मदा परिक्रमा में भी इस तट का विशेष महत्व है। नर्मदा पुराण सहित अन्य पुराणों में भी इसका उल्लेख है। नर्मदा परिक्रमा और तपस्थली के रूप में यह प्रसिद्ध है। वर्तमान में सरदार सरोवर बांध के बैकवाटर के कारण पूरा रोहिणी तीर्थ राजघाट क्षेत्र जलमग्न है। यहां पर ऐतिहासिक महत्व के कई पौराणिक मंदिर विद्यमान है। जिस तरह से खंडवा जिले के बीड़ के समीप सिंगाजी महाराज की पौराणिक समाधि को बैकवाटर क्षेत्र में भी संरक्षित किया गया है ठीक उसी तरह से इस पौराणिक तट व मंदिरों को भी शासन प्रशासन द्वारा संरक्षित किया जाना चाहिए। सिंगाजी महाराज के संरक्षित टापू की तरह ही इसका भी संरक्षण व विकास होना चाहिए।

कलश यात्रा में बवाल, चढ़ाने के लिए मांगा तो सिर पर फोड़ दिया नारियल

माही की गूंज, खंडवा।

कलश यात्रा में नारियल चढ़ाने की बात को लेकर दो युवकों के बीच विवाद हो गया। विवाद में दोनों के बीच मारपीट हुई। एक ने दूसरे के सिर पर नारियल फोड़ दिया। बवाल होने के कारण कलश यात्रा प्रभावित हुई। इसे लकर दो युवकों पर कार्रवाई की मांग को लेकर सरपंच पति ने थाने में आवेदन दिया। वहीं मारपीट में घायल युवक की शिकायत पर पुलिस ने आरोपित युवक के खिलाफ केस दर्ज किया।

कलश यात्रा में मारपीट

घटना पंधाना थाना क्षेत्र की है। पुलिस के अनुसार फरियादी बलराम सिंह पुत्र सुरेंद्र निवासी बिलूद के साथ आरोपित निखिल पुत्र ललित मालवीय ने कलश यात्रा में मारपीट कर यात्रा को बाधित किया। फरियादी ने बताया कि, गांव में अक्षत कलश यात्रा निकल रही थी। जिसमें में शामिल हुआ था। गांव का निखिल पुत्र ललित मालवीय भी नारियल की थैली लेकर यात्रा के साथ चल रहा था।

आइंदा नारियल मांगा तो

कलश यात्रा जैसे ही ग्राम पंचायत के पास पंहुची तो फरियादी ने निखिल से शिवमंदिर में रखने के लिए एक नारियल और फूल मांगा तो निखिल ने बोला कि तू तेरें घर से नारियल लेकर आ और गाली गलौज करने लगा। आरोपित को गालियां देने से मना किया तो निखिल ने हाथ में लिया हुआ नारियल फरियादी के सिर पर फोड़ दिया। जिससे सिर में चोट लगकर खून निकलने लगा। तभी यात्रा में चल रहे शिवपाल सिंह पुत्र विक्रम सिंह राजपूत और शुभम सिंह पुत्र अंतर सिंह ने झगड़ा छुड़ाया तो निखिल जातेजाते बोल रहा था कि आइंदा नारियल मांगा तो जान से खत्म कर दूंगा।

मारपीट की धाराओं में मामला दर्ज

फरियादी की शिकायत पर आरोपित के खिलाफ पुलिस ने मारपीट की धाराओं में मामला दर्ज किया। अक्षत कलश यात्रा में विघ्न डालकर यात्रा को बाधित करने पर ग्रामीणों में काफी आक्रोश है। सरपंच पति राजेश मालवीय ने गांव के दो युवक निखिल पुत्र ललित और बलराम पुत्र सुरेंद्र सिंह के विरुद्ध ठोस कार्रवाई करने के लिए पंधाना थाना प्रभारी को ज्ञापन दिया।

3.75 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बोयी रबी की फसलें

रबी फसलों के अधिक उत्पादन के लिए कृषि विभाग की किसानों को सलाह

माही की गूंज, खरगोन।

जिले में रबी फसलों की बोनी का कार्य पूर्ण हो चुका है। जिले में कुल 3 लाख 75 हजार 381 हेक्टेयर क्षेत्र में रबी फसलें लगाई गई है। इसमें गेहूं 2 लाख 20 हजार 878 हेक्टेयर, चना एक लाख 30 हजार हेक्टेयर तथा मक्का 14 हजार 800 हेक्टेयर में लगाया गया है। रबी फसलों के अधिक उत्पादन के लिए कृषि विभाग द्वारा किसानों को सलाह दी गई है।

उप संचालक कृषि एमएल चौहान ने किसान भाईयो को सलाह दी है कि, गेहूं एवं चना फसल इस समय वानस्पतिक वृद्धि पर है। ऐसे में इन फसलों का उचित ध्यान रखना अति आवश्यक है। गेहूं में सिंचाई का बहुत ही महत्व है, समय पर सिंचाई न होने पर उत्पादन पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। ऐसी स्थिति में गेहूं की पहली सिंचाई बुवाई के 20-25 दिनों बाद (क्राउन रूट), दूसरी सिंचाई बुवाई के 40-45 दिन बाद कल्ले फुटते समय, तिसरी सिंचाई 60-65 दिन बाद तने में गांठ बनते समय अवश्य करे।

किसानों को सलाह दी गई है कि, गेहूं में यूरिया का छिड़काव सिंचाई के बाद ही करे, जिससे नत्रजन का समुचित उपयोग हो सके। यूरिया का छिड़काव (टॉप ड्रेसिंग) सुबह या रात में नहीं करे, क्योंकि इस समय ओस की बूंदों के संपर्क में यूरिया के आने से पत्तियां जल जाती है। नत्रजन की पूर्ति के लिए टॉप ड्रेसिंग के रूप में द्वितीय बार नैनो यूरिया छिड़काव कर सकते है। चना फसल में कीटों का प्रकोप अधिक होता है, ऐसे में कीट नियंत्रण सर्वप्रथम मेकेनिकल विधियों से किया जाना चाहिये। इसमें 'टी' आकार की खूटियां (35-40 प्रति हेक्ट.) लगाए, जिससे कि पक्षी उन पर आकर बैठेंगे व इल्लियों को खाकर उन्हें नियंत्रित करेंगे। इल्लियों के नियंत्रण के लिए लगाई गई खूटियां फली में दाना भरते समय निकाल दे।

जैविक विधियों में एनपीव्ही वायरस 250 एलई का 500 एमएल प्रति हेक्टेयर उपयोग करें। चना में इल्ली का प्रकोप आर्थिक क्षति स्तर (1-2 लार्वा प्रति मीटल पंक्ति) से अधिक होने पर इसके नियंत्रण हेतु कीटनाशक दवा फ्लूबेन्डामाईड 39.35 प्रतिशत एससी की 100 मिली प्रति हेक्ट. या इन्डोक्साकार्ब 15.8 प्रतिशत ई.सी. की 333 मिली प्रति हेक्टेयर या इमामेक्टिन बेंजोएट 5 प्रतिशत प्लस लुफेनुरॉन 40 प्रतिशत का 60 ग्राम प्रति हेक्ट. का 400-500 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करे। चने में फूलवाली अवस्था में सिंचाई न करें। चने में विल्ट से बचाव हेतु कुछ समय तक सिंचाई करने से बचना चाहिए।

जल्दी बोई गई फसल में जड़ सड़न रोग से बचाव हेतु ट्रायकोडर्मा विरडी 250 ग्राम का 500 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हेक्टेयर पौधो में ड्रेसिंग करे अथवा रिडोमिल 1.5 से 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर जडों के आसपास ड्रेसिंग करे। जल के समुचित उपयोग के लिए सिंप्रकलर, रेनगन, ड्रीप सिंचाई का उपयोग कर सकते है। रबी की दलहनी फसलों में हल्की 4-5 से.मी. सिंचाई करनी चाहिये। जब पाला पड़ने की आशंका हो तो हल्की सिंचाई करे या खेत की मेडों पर धुंआ करे।

29 फरवरी तक चलेगा राजस्व महाअभियान, प्रकरणों का समय सीमा में करना होगा निपटान

माही की गूंज, खरगोन।

जिले सहित प्रदेश भर में अगले 45 दिनों तक आम लोगों की राजस्व संबंधी समस्याओं को आसानी से हल करने के लिए शिविर चलाया जाएगा, जिसको लेकर प्रदेश के राजस्व मंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सभी जिलों के कलेक्टर और एसडीम सहित तहसीलदार को आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। इसी के चलते खरगोन के जिला कलेक्टर कर्मवीर शर्मा सहित जिले के सभी एसडीएम और तहसीलदार इस वीडियो कॉन्फ्रेंस में मोजूद थे।

निराकरण नहीं होने पर दोषी व्यक्तियों पर कार्रवाई

जिला कलेक्टर शर्मा ने बताया कि, वीसी के दौरान राजस्व मंत्री वर्मा ने अधिकारियों से कहा है कि किसान भगवान का स्वरूप होता है और उसकी राजस्व संबंधी समस्याओं को हल करने के लिए 45 दिनों का यह अभियान 15 जनवरी से प्रारंभ किया गया है। इस दौरान सभी पटवारी रोजाना अपने हल्के में भ्रमण करते हुए किसानों की समस्याओं को सुने। साथ ही पटवारी और तहसीलदार राजस्व संबंधी प्रकरणों का समय में प्रकरणों का निराकरण नहीं होने पर दोषी व्यक्तियों पर कार्रवाई की जाएगी।

यह काम होंगे राजस्व महाअभियान में

बता दें कि, 15 जनवरी से 29 फरवरी तक चलने वाले राजस्व महाअभियान में राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण और राजस्व अभिलेख में इंद्राज त्रुटियों को ठीक करने के साथ ही राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरण जैसे नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, अभिलेख दुरूस्ती इत्यादि का भी समय सीमा में निराकरण किया जाएगा। इस अभियान में नए राजस्व प्रकरणों को आरसीएमएस पर दर्ज करना, नक्शा सुधार, पीएम किसान का सेच्युरेशन एवं समग्र का आधार से ई-केवायसी और खसरे की समग्र और आधार से लिंकिंग सहित आम जन की राजस्व संबंधी समस्याओं का निराकरण किया जाएगा।

औषधी पौधे की खेती किस प्रकार की जाती है, किसानों को कराया अवगत

माही की गूंज, धार। राज्य औषधी पादप बोर्ड द्वारा तथा मध्यप्रदेश आयुष विभाग के निर्देशानुसार जिले में दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर औषधी पोंधे अश्वगंधा, तुलसी, सतावरी संबंधी पौधे की खेती करने के संबंध में किसानों को जानकारी दी गई। समापन अवसर पर कृषि वैज्ञानिक डॉ. आरके गठिया, डॉ. डीके मंडलोई, डॉ. श्रीवास्तव, जिला आयुष अधिकारी डॉ. रमेशचन्द्र मुवेल ने औषधि पौधे के बारे में किसानों को किस प्रकार की खेती की जाना और कहां किसकी मंडी लगती है, मण्डी में बेची जाती औषधी की जानकारी विस्तार से दी गई। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने बताया कि, अश्वगंधा की खेती और सर्पगंधा की खेती, स्टीविया की खेती, तुलसी की खेती, अकरकरा की खेती सरदरपुर के ब्लाक तिरला में अधिक की जाती है। साथ ही किस प्रकार की मिट्टी में कौन सी औषधी उगाई जाना चाहिए यह भी जानकारी वैज्ञानिकों के माध्यम से कृषकों को दी गई है।

योग से बीमारियों को मात देना सिखा रही मस्तों की टोली

माही की गूंज, खरगोन। मध्य प्रदेश के खरगोन शहर में इन दिनों मस्तों की टोली की खूब हो रही है। यह टोली स्वस्थ व निरोगी काया के लिए काम कर रही है। आम व्यक्ति स्वस्थ शरीर को बनाए रखने व बीमारियों से बचाव के लिए कई तरह के जतन करते है। लेकिन यह टोली योग में वेरिएशन लाने के साथ आहार को व्यवस्थित कर लोगों को निरोगी बनाने में भूमिका निभा रही है।

इस टोली के सदस्यों का दावा है कि, केवल तीन दिन इस प्रक्रिया को अपनाने से सेहत में बदलाव दिखने लगता है। संबंधित व्यक्ति खुद को ऊर्जावान महसूस करने लगता है। बतादें कि, तीन माह पहले शहर के पहाड़सिंहपुरा के युवाओं ने एक समूह बनाकर इसकी शुरूआत की थी। उनका कहना है कि जितने भी सदस्यों ने योग सीखा है उनको स्वास्थ्य लाभ जरूर हुआ है। कई सदस्यों के घुटने व फेफड़ों की जटिल समस्याओं में भी उत्कृष्ट सुधार हुआ है। इस ग्रुप का एकमात्र उद्देश्य लोगों को योग से जोड़ना व शीघ्र उत्तम स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर ऊर्जावान जीवन जीना सिखाना है। इस शिविर से साधकों के स्वास्थ्य में अच्छे परिणाम देखने को मिले। योग गुरु विनोद जिलवाने व राजेश रघुवंशी ने बताया कि, योग के साथ आहार में बदलाव भी जरूरी है। शरीर की आवश्यकता के अनुसार फल व भोजन लेना चाहिए। फास्ट फूड, दूध से बने पदार्थों, मांसाहार आदि के सेवन से बचना चाहिए।

भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के तहत जिले निकाली जा रही प्रभात फेरियों एवं कलश यात्राएं

माही की गूंज, धार। अयोध्या में 22 जनवरी को भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम आयोजन किया जाएगा। इसी तारतम्य में मेरा गांव मेरी अयोध्या अभियान अंतर्गत जिले में प्रभात फेरियों का आयोजन किया जा रहा है। इन प्रभात फेरियों के माध्यम से 22 तारीख को होने वाली प्राण प्रतिष्ठा के संबंध में ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देश पर जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था सामाजिक संगठन, धार्मिक संगठनों, मंदिर समिति, प्रस्फुटन समिति, के सहयोग से जिले में कलश यात्रा, मंदिर प्रांगण सुंदर काण्ड, रामायण पाठ एवं प्रभात फेरी का आयोजन कर 22 तारीख को होने वाली राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के विषय में जानकरियां प्रदान की जा रही है। जन अभियान परिषद एवं उससे जुड़ी हुई नवांकुर संस्थाओं के माध्यम से इस अभियान का सुचारू रूप से संचालन किया जा रहा है। साथ ही मंदिरों में सफाई अभियान भी चलाया जा रहा है।

बेबाकी के साथ...सच
माही की गूंज
एजेंसी देना है
झाबुआ जिले में
रंभापुर, मदरानी, झकनावदा, खवासा, राणापुर
अलीराजपुर जिले में
सौंडवा, कट्ठीवाड़ा, छकतला, चांदपुर, बोरी
संपर्क - 9589882798, 9981318651

सड़क पर उतरी लाडली बहनें

माही की गूंज, खंडवा।

ट्रैक्टर-ट्राली में भरकर कई लाड़ली बहने कलेक्टरेट पहुंची। छैगांव माखन थाना क्षेत्र के गांव टाकली मोरी की इन महिलाओं ने डिप्टी कलेक्टर मुकेश काशिव से गंभीर शिकायत की।

महिलओं ने बताया कि, लाड़ली बहना योजना की राशि आई तो हम खुश हो गए। धीरे-धीरे ये राशि हमारे लिए परेशानी का कारण बन गई है। गांव में शराब का धंधा फल-फूल रहा है। गांव के पुरुषों को शराब की लत लग रही है। वे हमारे लाड़ली बहना योजना के रुपये भी हमसे छीनकर ले जा रहे हैं। इन रुपयों से शराब बेचने वालों का भला हो रहा है। इन्हीं रुपयों से शराब पीकर हमारे पति हमें पीट रहे हैं।

बच्चों की छुड़वा दी स्कूल

महिलाओं ने बताया कि, रोज शराब की आदत के कारण रुपये कम पड़ते हैं। बच्चों की स्कूल छुड़वा दी है। उनसे काम करवा रहे हैं, उनकी मजदूरी की रुपये भी शराब में लुटाए जा रहे हैं। पुलिसवालों को शिकायत करते हैं तो कोई कार्रवाई नहीं करते। ठेकेदार धमकी देता है कि जहां जाना हो चले जाओ काम बंद नहीं होगा। साबह हमारे गांव में शराब बंद करा दो नहीं तो पूरा गांव बर्बाद हो जाएगा।

डिप्टी कलेक्टर ने दिया कार्रवाई का आश्वासन

इस पर डिप्टी कलेक्टर ने उन्हें उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। बुजुर्ग महिला को इतना पीटा कि दो दिन चल नहीं पाई महिलाओं ने बताया, हम 150-200 रुपये में दिनभर मजदूरी करते हैं। शाम को रुपये मिलते हैं तो पति झगड़ा करना शुरू कर देते हैं। रुपये नहीं देने पर मारपीट करते हैं। रुपये देते हैं तो शराब पीकर आ जाते हैं और फिर विवाद करते हैं।

गांव में शराब बंदी की मांग

महिलाओं ने बताया कि, गांव में आठ दिन पहले एक बुजुर्ग महिला से उसके स्वजन ने शराब पीकर मारपीट की। उसे इतना पीटा कि दो दिन तक ठीक से चल नहीं पाई। शराब के कारण हमारे बच्चों का जीवन भी अंधकार में हैं। महिलाओं ने एक स्वर में तत्तकाल गांव में शराब बंदी करवाने की मांग की। यहां से महिलाएं आबकारी विभाग भी पहुंची और यहां भी अधिकारियों को ज्ञापन दिया।

ढ़ाई लाख रुपए की अवैध मदिरा के साथ 4 आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, खरगोन।

आबकारी दल ने वृत कसरावद के ग्राम साडली, सारकूर, तथा बलखड़ में दबिश देकर वृत प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश मालवीय द्वारा आबकारी अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण पंजीबध्द कर 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

आबकारी दल ने इन स्थानों से 60 लीटर हाथ भट्टी मदिरा जप्त की है तथा 2 हजार 500 किलोग्राम महुआ लहान जप्त किया है। जप्त महुआ लहान का सेम्पल लेकर, शेष लहान नष्ट किया गया। जप्त मदिरा का बाजार मूल्य लगभग 2 लाख 60 हजार रुपए है। इस कार्यवाही में आबकारी आरक्षक शिवनारायण कटारे, संतोष वर्मा का सराहनीय योगदान रहा।

शिक्षा के मंदिर की दुर्दशा, अधूरे पड़े है निर्माण कार्य

माही की गूंज, चं.शे. आजाद नगर।

चंद्र शेखर आजाद नगर खंड शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार कोरी के पुरे ब्लॉक में कारनामो के चलते कई विद्यालय भवन अधूरे पड़े है और राशि का आहरण कर लिया गया है। इस राशि का उपयोग कहां किया उसकी कोई भी जानकारी नहीं है। साथ ही आज तक भवन अधूरे और खंडर में तब्दील हो चुके है। जिनके अंदर कोई मलमूत्र या गंदगी न कर दे जिसके लिए शिक्षा अधिकारी ने स्कूल के शिक्षको को वेल्डिंग मशीन बुलवाकर दरवाजे वेल्डिंग के सिल करवा रखे है। जिससे कोई अंदर न आ सके और कोई पत्रकार वीडियो या फोटो न ले सके। जब ग्राम बड़ा खुटाजा के स्कूल का दौरा किया तब इस स्कूल के हालात इस कदर सामने आए की जिनको देख कर हालत पाषाण काल की याद आ गई और आसपास गंदगी इतनी है कि छात्र और छात्रओ के शौचालय की भी साफ सफाई आज तक नही हुई होगी और न ही उसकी छत है। क्योंकि सारे ब्लॉक में इस बात के लिए कमिशन का खेल खेला जा रहा है। शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार कोरी कई वर्षों से अंगद की तरह भाभरा ब्लॉक में शिक्षा अधिकारी बनकर बैठ गए है। न इसका कही ट्रांसफर होता है न ही इसके किए हुए भ्रष्टाचार की जांच की जाती है। आज वेड फलिया ग्राम बड़ा खुटाजा की इस विद्यालय के हाल देखकर अगर कोई भी जिला शिक्षा अधिकारी ने कार्रवाई नहीं की तो समझ जाना चाहिए जिले के अधिकारी भी भ्रष्टाचार में लिप्त है। ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों की जांच भी करने से कतराते है क्योंकि जो कुछ यह भ्रष्टाचार करते है उनमें से इनको भी कमिशन दिया जाता है।

सूत्र बताते है कि, इनकी जुग्गत राजनेताओं और बड़े-बड़े जनप्रतिनिधियों तक है जिनके कारण जिले के अधिकारी भी देख कर भी इनके भ्रष्टाचार को अनदेखा कर देते है। जिससे आज भाभरा ब्लॉक में भ्रष्टाचार चरम पर है और इसमे बखूबी साथ इनके अधीनस्थ सारे कर्मचारी और अधिकारी देते है। जिनके कारण आज तक इनके भ्रष्टाचार की कोई भी बात विभाग की चार दिवारी से बाहर ही नही जाती और इन्ही चार दिवारी में ही दब कर दम तोड देती है।

किसी भी विद्यालय का नहीं हुआ रंग-रोगन अधिकृत शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारियों ने डकारी राशि

माही की गूंज, चं.शे. आजाद नगर।

चंद्रशेखर आजाद नगर (भाभरा) के लगभग समस्त स्कूल जिनमे प्राथमिक हो या माध्यमिक सभी का आज तक रंग-रोगन नही किया गया जबकि इसके रंग-रोगन की राशि कब से शासन से प्राप्त हो चुकी है। सूत्रो से ज्ञात हुआ है कि, चंद्रशेखर आजादनगर के शिक्षा अधिकारी और सभी जवाबदार शिक्षक इसकी राशि का आहरण कर बंदर बांट कर चुके है, जिसके कारण आज तक सभी विद्यालय रंग-रोगन नही होने से बेजान दिखाई दे रहे है। साथ ही अभी आने वाले कुछ दिनों में सभी विद्यालयों में 26 जनवरी मनाई जाना है लेकिन विद्यालयों का रंग-रोगन करने की किसी को भी सुध नहीं रहती, जबकि सभी को विशेष रूप से राशि सरकार द्वारा पूर्व में ही दे दी जाती है। लेकिन दोनो ही अधिकारी ऑफिस में बैठकर सिर्फ भ्रष्टाचार कर कमिशन खाते रहते है। चंद्रशेखर आजाद नगर भाभरा के कई स्कूल शिक्षक और शिक्षिकाए रंग-रोगन की राशि आहरित कर अभी तक खर्च कर चुके होंगे और सभी शिक्षक, जनशिक्षको के माध्यम से कमिशन भी जिले में और ब्लॉक में शिक्षा अधिकारी को पहुंचा चुके होंगे। जिला कलेक्टर को इसकी जांच करवानी चाहिए ताकि सभी स्कूल का अच्छे से रंग-रोगन हो और जिन भी शिक्षक-शिक्षिकाओ ने राशि आहरण कर रंग-रोगन की राशि आहरित कर खर्च कर दी है, उनके ऊपर उचित कार्रवाई होनी चाहिए।

फर्जी प्रमाण पत्र देकर कर रहे थे नौकरी, खुलासा होने पर हुई कार्रवाई

माही की गूंज, उज्जैन।

जिले में दिव्यांगता का फर्जी प्रमाण पत्र देकर नौकरी हासिल करना चार शिक्षकों को भारी पड़ गया है। इसका खुलासा होते ही शिक्षा विभाग ने चारों को बर्खास्त कर दिया है। यह मामला उज्जैन जिले की प्राथमिक शासकीय विद्यालय का है। मामले में विभाग तीनों पर कानूनी कार्रवाई भी कर सकता है।

जांच के बाद हुई कार्रवाई

शिक्षा विभाग के मुताबिक, वर्ष 2023 में शिक्षकों की भर्ती हुई थी, जिसमें दिव्यांगों के लिए आरक्षित पद होने पर भिंड के दीपक शुक्ला, अशोक जैन, ग्वालियर के अनिल शर्मा और इंदौर

के रमेश दावड़े ने फर्जी प्रमाण पत्र लगाकर खुद को शारीरिक रूप से दिव्यांग बताते हुए नौकरी हासिल कर ली थी। इस मामले की शिकायत होने के बाद भोपाल स्थित लोक संचालनालय आयुक्त ने तीनों के मेडिकल बोर्ड से जांच के आदेश दिए थे। इस दौरान तलब करने पर अनिल शर्मा अनुपस्थित रहे, जबकि दीपक और रमेश को जांच में दिव्यांग नहीं पाया गया। ऐसे में शासकीय सेवा शर्तों केअनुसार झूठे दस्तावेज दिखाकर नौकरी हासिल करने पर तीनों को बर्खास्त कर दिया गया। बताया जा रहा है कि विभाग जांच के बाद तीनों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज करा सकता है।

चार की और नौकरी गई

जिला शिक्षा विभाग के अनुसार चार लोगों की और नियुक्ति हुई थी। नियम अनुसार अब तक ज्वाइन नहीं करने के कारण उन्हें लगातार पत्र भेजे गए। बावजूद इसके अब तक जवाब नहीं देने और ड्यूटी ज्वाइन नहीं करने के कारण उन्हें भी नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है।

एक झटके में बिखर गया परिवार, बेटियों ने खेल-खेल में खाया जहरीला पदार्थ

माही की गूंज, उज्जैन।

जिले के पेंतीसिया गांव में रहने वाले सरदार सिंह चौहान का परिवार एक झटके में बिखर गया। उनकी दो मासूम बेटियों ने खेल-खेल में जहरीला पदार्थ खा लिया था। जिससे मौत हो गई। बेटियों के निधन के बाद बदहवास मां ने भी जहर निगल लिया। उनकी भी हालत गंभीर बनी हुई है। हृदय विदारक इस घटना के बाद गांव में मातम पसर गया। जिसने भी सुना आवक रह गया। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद दोनों के शव परिजनों को सौंप दिए हैं।

माकड़ौन थाना क्षेत्र के पैतीसिया गांव में हुई यह घटना मंगलवार शाम की है। सरदार चौहान की पत्नी पूजा (35) खेत पर काम कर रही थी। दोनों बच्चियां मुस्कान (3) और पूनम (5) वहीं पास में खेल रहीं थीं। पूजा मोटर चालू करने चली गईं। तभी बच्चियों ने खेत में रखा जहरीला पदार्थ खा लिया। जहरीला पदार्थ निगलने से दोनों बेटियों की तबीयत बिगड़ने लगी। कुछ देर बाद वह बेसुध हो गईं। आनन-फानन में उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान निधन हो गया। बेटियों के निधन के बाद मां ने भी जहर निगल लिया। पूजाबाई का इलाज चल रहा है।

10 वर्ष पहले हुई थी शादी

पुलिस ने बताया कि, पूजा और सरदार चौहान की शादी 10 वर्ष पहले हुई थी। दोनों की दो बेटियां ही थीं। सरदार मजदूरी करता है। पूजा घर के काम के अलावा खेती किसानी में हाथ बंटाती है। दोनों बेटियों की मौत के बाद पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। मां अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रही हैं।

सांसद क्षेत्र का करेंगे दौरा

माही की गूंज, चं.शे. आजाद नगर।

झाबुआ-रतलाम क्षेत्रीय सांसद गुमान सिंह डामोर का जोबट विधानसभा क्षेत्र में आज कड्डीवाड़ा व चंद्रशेखर आजाद भाबरा मे दौरे पर रहेंगे, जिसमें से सांसद प्रतिनिधि विशाल रावत भी साथ में मोजूद रहेंगे। आज सुबह 11 बजे कड्डीवाड़ा में सांसद डामोर कार्यकर्ता व जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगे। साथ ही सभागृह में अधिकारियों की भी बैठक लेंगे। उसके बाद साढ़े 12 बजे आजाद नगर भाबरा के देवली में विकसित भारत संकल्प यात्रा में शामिल होंगे। वहां से सीधे आजाद नगर भाबरा रेस्ट हाउस में पहुंचेंगे जहां समस्त मंडल व सरपंच से चर्चा करेंगे। 4 बजे बरझर सामुदायिक भवन में मण्डल के समस्त कार्यकता व समस्त जनप्रतिनिधियों से चर्चा करेंगे। 6 बजे बरझर से अलीराजपुर के लिए रवाना होगे जहां स्थानीय कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। जिसे लेकर सांसद प्रतिनिधि विशाल रावत ने सभी मंडल के समस्त कार्यकता व जनप्रतिनिधि से मौजूद रहने के लिए कहा है। साथ ही रावत ने सांसद गुमानसिंह डामोर को क्षेत्र के विकास कार्य को लेकर विशेष प्रयास करने व संगठन को मजबूती प्रदान करने को लेकर अपनी बात रखेंगे।

दाहोद की बाबजी फायटर क्लब टीम ने जमाया खिताब पर कब्जा

सैयदना साहब के जन्म दिवस पर हुआ सीजन 9 रात्रि प्लास्टिक बाल टूर्नामेंट का आयोजन

माही की गूंज, आम्बुआ।

बोहरा समाज के 53 में धर्मगुरु सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन साहब और 52 में धर्मगुरु सैयदना बुरहानुद्दीन मौला के जन्मदिन के उपलक्ष में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी बुरहानी क्रिकेट क्लब द्वारा सीजन 9 रात्रि कालीन प्लास्टिक बाल क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन सैफिया ग्राउंड में किया गया। स्पर्धा में छोटा उदयपुर कुक्षी, दाहोद, महेश्वर, जोबट,आजाद नगर, अलीराजपुर, आम्बुआ, डही, सहित 24 टीमों ने हिस्सा लिया। खिताबी मुकाबला बाबजी फायटर और ऑनेस्ट छोटा उदयपुर के बीच हुआ। पहले बल्ले बाजी कर बाबजी फायटर दाहोद ने 121 रन बनाए जवाब में ऑनेस्ट मोबाइल छोटा उदयपुर ने अपने 3 विकेट गवाकर 6 ओवरों में 102 रन ही बन पाई। इस प्रकार बाबजी फायटर क्लब दाहोद ने 19 रनों से मुकाबला जीत लिया। मैन ऑफ द मैच हुजैफा बोहरा, मैन ऑफ द सीरीज अजीज आम्बुआ वाले को चुना गया। विजेता और उप विजेता टीम को अतिथिगण जनाब मुल्ला हातिम राजा, वाली मुल्ला शब्बीर भाई, शेख मुल्ला महोम्मद भाई, युवा मोर्चा अध्यक्ष (विक्की) विकास महेश्वरी, रमेश रावत सरपंच, अमान पठान, मुस्तफा बोहरा के द्वारा पुरस्कृत किया गया। सात दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का प्रथम पुरस्कार 27 हजार 786 रुपए तथा द्वितीय पुरस्कार 15 हजार 553 रुपए रखा गया था। बुरहानी क्रिकेट क्लब आम्बुआ को कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष महेश पटेल तथा सरपंच रमेश रावत के द्वारा सहयोग राशि के रूप में प्राप्त हुई। इस आयोजन को सफल बनाने में बुरहानी क्रिकेट क्लब आम्बुआ व बोहरा समाज के युवाओं का सरहानी योगदान रहा।

20 करोड़ के गबन कांड का फरार मुख्य आरोपी गिरफ्तार, आखिर क्यों लगा इतना समय...?

माही की गूंज, अलीराजपुर।

विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में हुए 20 करोड़ रुपए से अधिक के गबन में पुलिस ने मुख्य आरोपित कमल राठौड़ को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस टीम ने उसे राजस्थान के पुष्पर से गिरफ्तार किया है। केस दर्ज होने के बाद से गिरफ्तारी से बचने के लिए वह इधर-उधर भाग रहा था। पुलिस ने आरोपित को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे सात दिन के लिए रिमांड पर सौंपा गया है।

शिक्षा विभाग के जिले के अब तक के सबसे बड़े घोटाले में आखिरकार अब मुख्य आरोपित गिरफ्त में आया है। बता दें कि, कोष व लेखा विभाग ने गत अगस्त माह में खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय कड्डीवाड़ा (डीडीओ कोड 4902506054) के खाते से संदिग्ध खातों में भुगतान किए जाने का मामला पकड़ा था। इस पर संभागीय संयुक्त संचालक कोष व लेखा ने जांच के लिए दल भेजा था। जांच में सामने आया कि, अप्रैल 2018 से लेकर जुलाई 2023 के बीच हेरा-फेरी की गई। तत्कालीन खंड शिक्षा अधिकारी, लेखापाल व प्रभारी लेखापाल ने मिलकर विभाग के कर्मचारियों के स्वत्व की राशि रिश्तेदारों सहित अन्य के खाते में डाल दी तथा बाद में इस राशि का गबन कर लिया। जांच में 20 करोड़ 47 लाख 12 हजर 727 रुपए की अनियमित्ता सामने आई।

छह आरोपियों के खिलाफ मामला

जांच के बाद गत 24 नवंबर को पुलिस ने छह आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। अन्य आरोपी तत्कालीन खंड शिक्षा अधिकारी मधुलाल परमार, अच्छेलाल प्रजापति, रामनारायण राठौर, लेखापाल मोइनुद्दीन शेख, रमेशचंद्र बघेल को पहले ही जमानत मिल गई थी। मामले का मास्टरमाइंड बताया जा रहा मुख्य आरोपी कमल तब से ही फरार चल रहा था। उसने कोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन दिया था, जिसे खारिज कर दिया गया था। पुलिस ने आरोपित की गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया था।

बाद में बढ़ाई गईं धाराएं, क्या संपत्ति होगी जप्त

पूर्व में पुलिस ने धारा 420, 409 तहत मुकदमा दर्ज किया था। हालांकि अनुसंधान के दौरान आरोपितों के विरूद्ध धारा 74 आइटी एक्ट, भ्रष्टाचार अधिनियम की धारा 13 क, ख एवं 467, 468, 471 बढ़ाई गई। पुलिस ने बताया कि, मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए एक तकनीकी सहित कुल चार टीमें बनाई गई थीं। साथ ही चल-अचल संपत्ति की कुर्की किए जानें हेतु धारा 82 जा.फौ. के तहत न्यायालय के माध्यम से कार्रवाई कराई गई थी। कोर्ट ने आरोपित कमल को इस संबंध में नोटिस भी जारी किया था। रिमांड अवधि में आरोपित से पूछताछ कर साक्ष्य जुटाए जाएंगे।

गिरफ्तारी के बाद भी कम नही हुआ रौब

पुलिस मंगलवार सुबह आरोपित कमल को जिले में लेकर आई। उसे चांदपुर थाने पर ले जाया गया था। शाम को मेडिकल और कोर्ट पेशी के लिए पुलिस उसे शहर लेकर आई। इतने बड़े गबन कांड के बाद भी आरोपी के चेहरे पर शिकन नजर नहीं आई। मेडिकल के लिए ले जाने के दौरान वह पुलिसकर्मियों के साथ रौब से चलता नजर आया। इतने लंबे समय तक कमल के न पकड़े जाने की पीछे कहीं न कहीं सुस्त प्रशासनिक व्यवस्था की ओर इशारा दिखाई दे रहा है।

विधायक ने सीसी रोड़ का किया भूमिपूजन, कार्यकर्ताओं से की भेंट

माही की गूंज, चं.शे. आजाद नगर।

जोबट विधानसभा के ग्राम क़िलाना में विधायक श्रीमती सेना पटेल ने 350 मीटर लम्बे सीसी रोड का भूमिपूजन किया। लगभग 10 लाख रुपए की लागत से बनने वाले इस

रोड़ का ग्रामवासियों को इंतजार था। आपको बता दे कि, ग्राम क़िलाना के ग्रामवासियों की काफी दिनों से मांग थी कि इस कच्चे मार्ग को बनाया जाए। विधायक सेना पटेल द्वारा उक्त मार्ग के निर्माण का भूमिपूजन कर दिया गया है जल्द ही यह 350 मिटर का रोड़ बनकर तैयार हो जयेगा और ग्रामवासियों की समस्या का समाधान हो जाएगा। भूमिपूजन के बाद सेना पटेल ने अपने कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनसे समस्याओं के बारे में पूछा। श्रीमति सेना महेश पटेल पदभार ग्रहण करने के बाद अपने कार्यकर्ताओं के बीच पहुची तथा उनके द्वारा मेहनत व लगन से हासिल हुई जीत के लिए उन्हें धन्यवाद भी दिया और प्रत्येक कार्यकर्ता से समस्या के बारे में पूछा। उक्त भूमि पूजन कार्यक्रम में आजादनगर जनपद सीईओ रविन्द्र गुप्ता, तहसीलदार जितेंद्र सिंह तोमर, बीईओ विनोद कुमार कोरी,? क़िलाना सरपंच कालूसिंह, अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष अखलाख गुड्डू, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष मोहम्मद लईक शेख, आजादनगर ब्लाक कार्यवाहक अध्यक्ष हरीश भाभर, जनपद व तहसील का शासकीय अमला समेत कार्यकर्ता व ग्रामीण मौजूद रहे।

औद्योगिक क्षेत्र बर्फ प्लांट में मांसाहारी ढाबे के साथ परोसी जाती है शराब

तुषार इंडस्ट्रीज का प्रो. देवेंद्र भानपुरिया सोशल मीडिया पर पुष्टि करता है कि एक नंबर में ही तीन लाख कमाता हूं, तो ढाबे व शराब का अलग से कितना होगा मुनाफा ?

सोशल मीडिया पर देवेंद्र भानपुरिया खुले आम एसपी तक को समझ रहा है अपने पैरो की जूती

माही की गूंज, संजय भटेवरा।

लिज पर ली हुई शा.भूमी पर बर्फ फेक्ट्री की आड़ में देवेन्द्र चला रहा मांसाहारी ढाबा व बैच रहा अवैध शराब।

बर्फ फेक्ट्री में जाने का मुख्य गेट, इस फेक्ट्री से प्रतिमाह 3 लाख रूपये तक एक नम्बर का कमाने की बात कर रहा देवेन्द्र।

झाबुआ जिले में गांव-गांव में घरों एवं ढाबो पर अवैध शराब के अड्डे संचालित हो रहे हैं और यह अवैध शराब का कारोबार प्रशासनिक संरक्षण के ही चलता है यह सही भी है। वहीं जिले में ढाबो और घरों में शराब का अवैध कारोबार करने वाले भी अब एसपी तक को अपने पैरों की जूती समझने लगे हैं। ऐसे में बड़े माफियाओं के आगे तो प्रशासनिक किसी भी बड़े अधिकारियों की हैसियत उनके सामने नहीं होगी यह कहा जाता है।

आज हम जिले के मेघनगर औद्योगिक क्षेत्र की बात करें तो, यहां भी औद्योगिक विभाग से लीज पर ली हुई जमीन जिस पर यह एग्रीमेंट जरूर होता होगा कि, जिस उद्योग के लिए लीज पर जमीन आवंटित करवाई गई है, वहीं उद्योग का कारोबार लीज पर ली हुई जमीन पर किया जा सकता है। साथ ही यह भी होगा कि बताए गए उद्योग हेतु उक्त लीज पर ली हुई जमीन पर किसी प्रकार का अन्य उद्योग या किसी प्रकार का भी अवैध कारोबार या अवैध गतिविधि लीज में ली हुई शासकीय जमीन पर नहीं किया जा सकता है। तथा ऐसा होने पर कार्रवाई के साथ उद्योग को सीज करने के साथ लीज भी खारिज करने के प्रावधान है। इसके बावजूद अगर कोई अन्य उद्योग या अवैध कारोबार खुले आम लीज पर ली हुई शासकीय जमीन पर करता है तो यही माना जाएगा कि यह अवैध कारोबार औद्योगिक विभाग के उच्च अधिकारियों तक साठ-गांठ के साथ स्थानीय पुलिस व आबकारी एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारियों से साठ-गांठ के साथ ही अवैध कारोबार संचालित हो सकता है।

हम बात करें मेघनगर ,थांदला मुख्य मार्ग पर स्थित मेघनगर में तुषार इंडस्ट्रीज की तो, इसके प्रो. देवेंद्र भानपुरिया ने 30 साल के लिए औद्योगिक विभाग से आईस प्लांट हेतु शासकीय जमीन लीज़ पर ली है। लेकिन आइस प्लांट की आड़ में लीज पर ली हुई जमीन पर खुलेआम मांसाहारी ढाबा व ढाबे पर शराब भी परोसी जाती है। उक्त तुषार इंडस्ट्रीज मेघनगर में थांदला मुख्य मार्ग पर स्थित है। यहां समय-समय पर औद्योगिक विभाग के अधिकारी भी निरीक्षण के लिए आते हैं। लेकिन देवेंद्र भानपुरिया इतना शातिर है कि, वह अधिकारियों को लिफाफे देकर और बर्फ का ठंडा पानी पिलाकर उन्हें पूरी तरह से ठंडा कर रवाना कर देता है। तथा अपना आईस प्लांट की आड़ में बिना परमिशन के अवैध ढाबा संचालन करने के साथ देर रात तक अवैध शराब परोसकर अवैध गतिविधि संचालित कर रहा है।

इतना ही नहीं उक्त मुख्य मार्ग से होते हुए प्रतिदिन पूरा प्रशासनिक अमला आता-जाता है। यहां तक की एसपी, कलेक्टर के वाहन भी गुजरते हैं लेकिन आईस प्लांट की आड़ में चल रहे अवैध रूप से मांसाहारी ढाबा एवं अवैध रूप से परोसी जा रही शराब के कारोबार को देखकर भी अनदेखी की जा रही है।

स्वयं देवेंद्र ही कहता है एक नंबर में ही तीन लाख तक कमाता हूं तो वह अवैध रूप से दोगुना राशि कमाता होगा

बर्फ फेक्ट्री की आढ़ में अवैध कारोबार करने वाला देवेन्द्र भानपुरिया।

सबसे बड़ी बात यह है कि, जो व्यक्ति एसपी तक को अपने पैरों की जूती समझकर एसपी के संबंध में सोशल मीडिया पर कहता है कि, कोई अपनी मां का दूध पीकर फोन लगा दे और मेरा धंधा कोई बंद करवा दे तो मैं जानू । कहकर खुलेआम प्रशासनिक साठ-गाँठ के चलते अपना प्रभाव प्रदर्शित किया जा रहा है। इतना ही नहीं सोशल मीडिया पर यह भी पुष्टि कर रहा है कि, मैं मेरी फैक्ट्री से एक नंबर में विथ जीएसटी भरकर सूखे 2 से 3 लाख रूपये प्रति माह कमाता हूं। जिसका आशय यह स्पष्ट है की फैक्ट्री से 3 लाख तक कमाता है तो हो सकता है उससें दोगुना तक लीज की जमीन पर अवैध रूप से संचालित मांसाहारी ढाबा एवं अवैध शराब से कमाता होगा, यह तय है। जिसके चलते ही सोशल मीडिया पर अपना प्रभाव दिखाकर खुलेआम अपनी दादागिरी दिखाकर कहता है कि, कोई एसपी को फोन कर मेरे धंधे को बंद कर दे तो मैं जानू कि उसने उसकी मां का दूध पिया होगा। तय है लीज की जमीन पर फैक्ट्री से एक नंबर में 3 लाख रुपये तक व अवैध कारोबार में उस से प्रतिमाह दो गुना से ज्यादा कमाता होगा और उस अवैध कमाई की राशि का बड़ा हिस्सा प्रशासनिक अधिकारियों व पुलिस को देता ही होगा या फिर किसी बड़े राजनीतिक प्रभाव के साथ अपना अवैध कारोबार देवेंद्र भानपुरिया संचालित कर रहा है। तभी वह कह रहा है कि, जो मेरा अवेध धंधा बंद करवाए तो मैं उसे जानू।

टैक्स की भी चोरी करता होगा शातिर देवेंद्र

स्वयं जब देवेंद्र भानपुरिया ही एक नंबर में 3 लाख रुपये तक विथ जीएसटी पै करने के साथ प्रतिमाह अपनी कमाई होना बता रहा है तो वह उसके बाद कितना कमाता होगा यह अंदाजा लगाया जा सकता है पर हम सिर्फ देवेंद्र भानपुरिया द्वारा ही प्रतिमाह 3 लाख रुपये तक की कमाई वह करता है पुष्टि की है। उसी पुष्टि की बात करें तो 1 वर्ष में 36 लाख रुपए की इनकम वह अर्जित करता है बाकी अवैध रूप से की जा रही कमाई अलग है। ऐसे में एक नंबर से ही 36 लाख रुपए की इनकम पर इनकम टैक्स 10 लाख 40 हजार के करीब ब्याज के साथ इनकम टैक्स विभाग को भरना होता है। ऐसे में जिस तरह से देवेंद्र भानपुरिया लीज की शासकीय भूमि पर अपने अर्थ व राजनीतिक प्रभाव से बिना परमिशन के अवैध रूप से मांसाहारी ढाबा संचालित करता है व अवैध शराब विक्रय करता है तो इनकम टैक्स विभाग को अपने शातिराना दिमाग के चलते एक नंबर की उसके द्वारा बताई जा रही कमाई में से नाम मात्र की कमाई बताकर टैक्स चोरी भी करता होगा यह तय है। ऐसे में इनकम टैक्स विभाग को भी उसकी कमाई का सवें कर पूरा टैक्स विभाग को भरवाना चाहिए ।

वही आगे यह देखने वाली बात होगी कि, क्या औद्योगिक विभाग बिना परमिशन के लिज पर दी हुई जमीन पर संचालित हो रहा अवैध मांसाहारी ढाबा व अवैध रूप से बिक्री की जा रही शराब के चलते लीज खारिज करता है या और कोई कारवाई। वहीं अवैध शराब बिक्री के साथ सोशल मीडिया पर देवेंद्र भानपुरिया की दादागिरी को देखते हुए पुलिस व आबकारी विभाग कोई ठोस कार्रवाई करती है या फिर देवेंद्र का अर्थ व राजनीतिक प्रभाव के चलते उक्त अवैध मांसाहारी ढाबा व अवैध शराब विक्रय सुचारू रूप से संचालित रहता है यह देखने की बात रहेगी।

वही माही की गूंज के पास पूरा प्रूफ है कि, देवेंद्र भानपुरिया एक नंबर में कितना पैसा कमाता है और जिले के एसपी तक को अपने पैर की जूती मानता है। इनकम टैक्स या पुलिस को देवेंद्र भानपुरिया के द्वारा सोशल मीडिया पर की गई पुष्टि माही की गूंज के पास है वह उनके मांगने पर दे सकते हैं।

गूंज असरः घटिया क्वालिटी के साथ सड़क बनाने वाला पद्मावती कंट्रक्शन का ठेकेदार किशोर बोरसे बोखलाया

माही की गूंज, खवासा।

गूंज खुलासे के बाद भ्रष्टाचार करने वाला ठेकेदार किशोर बोरसे बोखलाया।

जब कोई सही काम करता है तो उसे न किसी की डर होती है और न हीं किसी तरह की बोखलाहट होती है। लेकिन कोई गलत काम करता है तो उसे स्वतः ही उसका आईना सामने दिखने के बाद डर व डर के साथ उसकी बौखलाहट जरूर आसानी से देखी जा सकती है।

कुछ ऐसा ही खवासा क्षेत्र के साथ जिले में करीब 40-50 प्रधानमंत्री सड़क मार्ग का अलग-अलग टेंडर सड़क रिपेयरिंग के नाम से सिलकोट करने का ठेका पद्मावती कंस्ट्रक्शन ने लिया है। उक्त सड़कों के निर्माण का कार्य कंपनी के किशोर बोरसे द्वारा करवाया जा रहा है। किशोर बोरसे की देखरेख में हो रहे उक्त कंपनी के द्वारा प्रधानमंत्री सड़क मार्ग के रिपेयरिंग मेंटेनेंस के नाम पर किया जा रहा डामर से सिलकोट में उपयोग क्या जाने वाला डामर इतनी हल्की क्वालिटी व डामर में मिलावट के साथ सड़क निर्माण का कार्य किया जा रहा है। जो उक्त सिलकोट करने के साथ ही त्वरित ही पीछे-पीछे सड़क उखड़ने लग जाती है और निम्न स्तर की डामर क्वालिटी एक नजर में देखने के साथ ही नजर आती है। वैसे तो उक्त पद्मावती कंस्ट्रक्शन द्वारा निम्न क्वालिटी के साथ किये जा रहे घटिया सड़क निर्माण व घटिया मेंटेनेंस कार्य के समाचार पत्रों की सुर्खिया जिले में बनी हुई है। वही खवासा क्षेत्र में बताया जाता है कि, 8-10 प्रधानमंत्री सड़क का रिपेयरिंग, मेंटेनेंस का कार्य भ्रष्ट पद्मावती कंस्ट्रक्शन ने लिया है, जिसमें 3-4 सड़क निर्माण का कार्य शुरू किया है। माही की गूंज में पिछले दो अंकों में प्रकाशित समाचारों के साथ निम्न क्वालिटी के साथ किया जा रहा सड़क निर्माण के खुलासे के बाद पद्मावती कंस्ट्रक्शन का नुमाइंदा किशोर बोरसे अपने भ्रष्टाचार से किये जा रहे कार्य के चलते ऐसा बौखलाया की वह हास्यप्रद स्थिति के साथ पागलों जैसी हरकतें भी करने लगा... !

गूंज समाचार के बाद बौखलाया किशोर बोरसे भोपाल के किसी एक न्यूज़ चैनल के प्रतिनिधि को फोन लगाकर। माही की गूंज प्रतिनिधि के संबंध में कहता है कि, वह आपके चैनल के नाम से हमें डराता है। जब भोपाली उस चैनल के प्रतिनिधि को यह गलत जानकारी मिली तो वह जिले के पेटलावद उस चैनल के प्रतिनिधि को फोन लगाकर स्थिति को क्लियर करने की बात कही। जिसके बाद उस चैनल के पेटलावद प्रतिनिधि ने हमारे गूंज प्रतिनिधि को फोन कर मामला जाना तो किशोर बोरसे द्वारा किया जा रहा भ्रष्टाचार रूपी कार्य के साथ उसकी डर व डर के साथ बौखलाहट भी सामने आई। तथा इस भ्रष्ट ठेकेदार किशोर बोरसे के द्वारा की गई बचकानी हरकत महज ही हास्यप्रद ही लगने लगी।

किशोर बोरसे भोपाली पत्रकार के साथ निजी संबंध होने के साथ माही की गूंज के प्रतिनिधि को अपना प्रभाव बताकर उक्त भ्रष्ट ठेकेदार द्वारा किए जा रहे भ्रष्टाचार का खुलासा आगे से माही की गूंज में नहीं हो का मुख्य उद्देश्य था। लेकिन इस भ्रष्ट किशोर बोरसे नाम के इस महाशय को यह नहीं मालूम कि, माही की गूंज में भ्रष्टाचार रूपी किये जा रहे कार्य का प्रकाशन कभी भी किसी के भी प्रभाव या रिकमेंट से रुकने वाला नहीं है।

इस मामले में जब गूंज कार्यालय से किशोर बोरसे से उसके मोबाइल 94259 25692 पर चर्चा की तो वह कहता है कि, भोपाली चैनल के पत्रकार से मेरी मित्रता थी और मैंने बताया यह सही है। मेरे समाचार प्रकाशित करने के साथ हमें परेशान करेंगे तो मैं क्या करूंगा फिर ....? कहने लगा।

जब हमने पूछा कि हमारे प्रतिनिधि ने भोपाली न्यूज़ चैनल के नाम से आपसे कोई जानकारी ली हो तो आप इसकी पुष्टि करें या आपके पास कोई रिकॉर्डिंग हो तो वह हमें बताएं ताकि हम हमारे प्रतिनिधि के विरुद्ध कोई निर्णय ले सके ? लेकिन हमारे प्रश्न से भ्रष्ट किशोर बोरसे ऐसा बौखलाया की उसके हलक से कोई बात ही नहीं निकली तो हमें गुमराह करते हुए कहता है कि, ट्रॉलर पर उस चैनल का नाम आने से मैं उसे उस चैनल का प्रतिनिधि समझा था जिसके कारण भोपाल के पत्रकार जो कि मेरा मित्र है उसे फोन लगाया था। भ्रष्ट किशोर बोरसे कि उक्त हास्यप्रद जवाब के बाद किशोर बोरसे से कहा कि हम झाबुआ जिले के पत्रकार है और हमारे पर भोपाली हो या दिल्ली किसी का प्रभाव यहां नहीं चलता है। जिसके बाद हम दूसरा सवाल पुछे उसके पहले ही भ्रष्ट किशोर बोरसे कहने लगा भैया मैं थोड़ी देर बाद फोन लगाता हूं कहकर फोन काट दिया। वहीं हमारे प्रतिनिधि का कहना है कि, उसके ट्रॉलर पर सोलंकी न्यूज़ एजेंसी लिखा हुआ आता है। भ्रष्ट किशोर बोरसे से हमारी यही सलाह है कि आप निम्न क्वालिटी का डामर उपयोग नहीं कर उच्च क्वालिटी की सामग्री के साथ कार्य करेंगे तो, आप को न हीं भोपाल न ही दिल्ली के पत्रकार या किसी और को फोन आपके मामले को दबाने के लिए आपको फोन लगाने की आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी।

सड़क बनाते ही गोल घेरे में सड़क उखड़न के साथ भ्रष्टाचार का हो रहा खुलासा व सड़क साईट पट्टी के समीप से मोरम मिट्टी डाल बिना लोडर के ही ट्रेक्टर नुमा मशीन से लेवल करवा रहा ठेकेदार।

खनिज अधिकारियों की नींद के कारण खनिज संपदा को लूट रहा लुटेरा ठेकेदार शक्तिसिंह

फर्जी रसीदों के आधार पर विगत महीनो में कर चुका है लाखो के राजस्व का गबन

माही की गूंज, शाजापुर। अजय राज केवट

एक तरफ जिले की नवनिर्वाचित कलेक्टर शाजापुर के राजस्व को दोगुना कर प्रदेशभर में जिले का नाम प्रथमश्रेणी में अंकित करने में लगी हुई है। वही दूसरी ओर विभीषण की तरह कार्य करने वाले खनिज विभाग के कर्मचारी सम्पूर्ण जिले की खनिज संपदा को ठेकेदार के माध्यम से लुटवाने में लगे हुए है। वर्तमान समय में जिले का खनिज विभाग मानो 'पैसा फेको तमासा देखो' के सिद्धांत पर कार्य करते हुए विगत कई महीनो से मोन धारण करे हुए है। वही इन्ही अधिकारियों के सानिध्य तले फलफूल रहा खनिज ठेकेदार शक्तिसिंह राठौर दिन दौगुनी रात चौगुनी रफ्तार से प्रदेशभर में जिले की खनिज संपदा को बेचकर मोटा मुनाफा कमाने में लगा हुआ है। तथा जब भी कोई परिवहन चालक या पत्रकार ठेकेदार शक्तिसिंह की मनमानी की सूचना ईन अकर्मण्यकारी व निढल्ले अधिकारियों को देता है तो अधिकारियो का मौन स्वतः ही अपनी ईस बंदरबांट की लूट खसोट में हाथ धोने की और इशारा कर देता है। विगत एक वर्ष से मानो कार्यवाही के नाम पर आज भी भात के दो पात ही मानो नजर आ रहे है। अब तो खनिज विभाग की दोगली कार्रवाई को देखकर कलमकारों की कलम की स्याही भी मानो सूखने सी लग गई है। वर्तमान और भविष्य की गणना के बीच यह पता लगाना मुश्किल हो गया है कि, अपने खून पसीने को सिजकर प्रदेश के राजस्व में योगदान देने वाली जनता आखिर न्याय की दरकार को नवनियुक्त कलेक्टर रिजु बाफना आखिर कब तक सुन पाएगी या यूही लूट खसोट का यह खेल विगत वर्षो की तरह निरंतर जारी रहता है।

खनिज विभाग के तीनो तिकड़म बाजो के गठजोड़ से चल रहा है अवैध उत्खनन का गोरख धंधा

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार खनिज अधिकारी आरीफ खान, इस्पैक्टर कामिनी गौतम व खनिज ठेकेदार शक्तिसिंह तीनो की मिलीभगत से अवैध उत्खनन व विदाऊट रॉयल्टी का गोरख धंधा फलफूल रहा है। जिसमे बड़ी ही सफाई से अधिकांश ट्रैक्टर रोजाना जिले से बाहर बिना रॉयल्टी के भेज दिए जाते है और उन्ही ट्रैक्टरो से मिलने वाला राजस्व तीनो तिकड़म बाज लालची मिल बाटकर डकार जाते है। वैसे तो खनिज अधिकारी आरीफ खान व इस्पैक्टर कामिनी गौतम जिले की खनिज संपदा की चौकीदारी के लिए तैनात किए हुए है। लेकिन जबसे दो नंबरी आय के स्त्रोत दोनो की आंखों में नजर आने लगे है तभी से दोनो निक्कमे अधिकारी अपने धरम , ईमान को चौराहों पर नीलाम करते नजर आ रहे है और जिले की नई कलेक्टर ऋजु बाफना की आखों में धूल झोंकने का प्रयास कर रहे है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422